मेरी सेवकाई का वर्तमान कार्यक्षेत्र

... ? ... बहुत ही थका और टूटा हुआ हूं। और राह चलते हुए हमारी बहुत ही अच्छी सहभगिता हुई, शानदार सभाये, मसीहो के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान, ऊपर से नीचे पूर्वी किनारे, और पश्चिमी किनारे कनाडा तक। और अच्छा सहयोग विभिन्न नामधारी कलीसियाओ के मध्य में, असेंबली ऑफ गॉड की, और यूनाइटेड पेंटीकोस्टल, चर्च ऑफ गॉड, फोरस्क्वेयर, और बहुत सी दूसरी संस्थाये जिन्होंने सहयोग किया, महान सभाये। एक महान सफलता, जहां तक कि आज इसे सफल कहा जा सकता है, और सम्भव है बहुत से इसे "महान" कहेंगे। परन्तु, मैं स्वयं, मैं एक—एक—एक बेदारी करने वाला हूं। और बेदारी, राष्ट्रीयता में बोल रहा हूं, यह लगभग समाप्ती पर है। और हम लोग... मैं वहां बेदारी देखना चाहता हूं जहां ह्रदय आग से भरे हो, ना कि सदस्य बढ़ा रहे हो, परन्तु बेदारी। हमारे प्रभु ने लोगों की चंगाई के बहुत से आश्चर्यकर्म किए, और अवश्य ही, बहुत से बच गए। और अब मैं घर में हूं, थोड़े समय के लिए विश्राम कर रहा हूं, और कुछ ही सप्ताहों में वापस सेवा में जा रहा हूं, प्रभु चाहेगा तो।

2 और अब यह समस्त संसार में मेरे बहुत से लोगों और मित्रों के लिए है। मैं आज रात्री यह कहना चाहता हूं, यहां इस आराधनालय में... यदि आप, आप में से यदि कोई उपस्थित थे और देख पाते, आज रात्री आराधनालय में वे वास्तव में गर्म हैं। चारो ओर लोग भरे पड़े है दरवाजो में खड़े है, और बाहर उनकी कारों और आदि–आदि में, और यह बहुत गर्म है, और यह लोगों और मेरे लिए भी कठिन होगा।

3 परन्तु मैं इस स्थान में यह वर्णन करने आया हूं कि हम समय की कौन सी स्थिति में रह रहे हैं उस सेवकाई के अनुसार जो प्रभु ने मुझे दी है। और मैं इसे आराधनालय से रिकॉर्ड याने टेप करना चाहता हूं। पिछले वसंत से यह मेरे ह्रदय में आया, परन्तु मैंने प्रतीक्षा की जब तक मैं यहां वापस ना आऊं ताकि मैं इसे एक—एक रिकॉर्ड करवा सकूं, ताकि आप संसार के लोगों को भेज सकूं।

4 यह लगभग बत्तीस वर्ष पहले जब प्रभु यीशु जहां था, वहां से एक सौ पचास गज के अंदर थे अब जहां मैं खड़ा हूं, यहां जेफरसनविले के आठवे पेन स्ट्रीट पर, उस प्रात: जब मैंने आराधनालय के कोने का पत्थर रखा, तब उस समय लगभग दलदल सा था। और मैं अपने बाये सड़क पार करके रहा करता था, यह मेरे विवाह से पहले की बात थी, और मैं अपने पिता और मां के साथ रहता था, जिस प्रात: कोने का पत्थर रखा जाना था प्रभु यीशु ने मुझे जगाया लगभग, प्रात:, छह बजे थे। और मैं कुछ देर के लिए पंलग पर लेटा रहा, अपने आनन्द से भरे ह्रदय के साथ, इस महान समय को सोचते हुए कि प्रभु परमेश्वर मुझे प्रचार करने के लिए एक आराधनालय देने जा रहा है। तब उस समय मैं युवा लड़का ही था। और उस दिन मैं... और वह लड़की जिसके साथ मैं चल रहा था, आने वाले वर्ष में जल्द ही मेरी पत्नी होने जा रही थी, जिस दिन हम कोने का पत्थर रखने वाले थे, हमारे साथ होगी।

5 और मुझे स्मरण है उस प्रात: जब मैं जागा, और ऊपर कमरे में मैं लेटा हुआ था, उस सातवी गली में ठीक यहाँ ऊपरी कोठरी पर। किसी चीज ने कहा, "अपने पैरों पर खड़े हो जाओ।" और मैं उठ गया। और मैंने देखा, यह एक महान स्थान था और यह एक—एक—एक ऐसे स्थान के समान था जहां वे... एक नदी घाटी में बह रही हो। और मैं वहां नदी पर पहुंचा और मैं समझ गया कि यह वह स्थान था जहां यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला लोगों को बपतिस्मा दे रहा था, और उन्होंने इसे गन्दगी में बदल दिया था। और मैं इसके लिए बहुत विचलती था, और कह रहा था कि यह नहीं किया जाना चाहिए।

6 और जब मैं वहां पर था, वहां एक—एक आवाज मुझसे बोली और ऊपर ले गयी, और मैंने ध्यान दिया कि आराधनालय इसी स्थिति में था जिसमे यह अब है। परन्तु वहां इतने लोग थे जब तक कि वे आराधनालय में, इतने ठसा ठस नही भर गए, लगभग जिस स्थिति में अब है। और मैं—मैं आनन्दित था, प्रचार मंच के पीछे खड़ा होकर कह रहा था, "परमेश्वर, आप कितने भले है कि आपने मुझे एक आराधनालय दिया हैं।"

7 और, उस समय, प्रभु का दूत मुझ से बोला, और कहा, "परन्तु यह तुम्हारा आराधनालय नहीं है।"

और मैंने कहा, "तो, फिर प्रभु, मेरा आराधनालय कहां है? "

8 और वह मुझे आत्मा में ले गया, और मुझे एक उपवन में बैठा दिया। और वहां उपवन में एक कतार में लगभग एक ही ऊंचाई के वृक्ष थे, लगभग बीस फुट, या तीस फुट लम्बे। और वे फलो के वृक्ष के जैसे लग रहे थे, और वे बड़े–बड़े हरे गमले में थे।

9 और फिर मैंने अपने दाहिने हाथ की ओर ध्यान दिया और बाई हाथ की ओर, वहां दोनों ओर खाली गमले थे, और मैंने कहा, "इस विषय में क्या है? "

10 और उसने कहा कि, "इसमें तुम्हे बोना है।" इसलिए मैंने पेड़ की टहनी को दाहिनी ओर खींचा और उसे दाहिनी ओर के गमले में बो दिया, और एक टहनी बाई ओर से और उसे बाई ओर के गमले में लगा दिया। और जल्द ही वे आकाश तक बढ़ गए।

11 और उसने कहा, "अपने हाथ बढ़ा कर और फलो को तोड़ लो।" और एक हाथ में एक बड़ा पीला सेब आया, पूरा और पका हुआ। और दुसरे हाथ में बड़ा पीला अलूचा विकसित और पका हुआ। और कहा, "अब फल को खाओ, क्योंकि यह मनभावन है।" और मैंने एक में से खाया और दूसरे से बहुत ही स्वादिष्ट था। आप दर्शन को जानते हैं, यह पुस्तको में से एक में लिखा हुआ है, मैं सोचता हूं, *जीवन कथा*, या *भविष्यवक्ता अफ्रीका का दौरा* में।

12 और तब ही मैंने अपने हाथों को रोक लिया, और प्रभु की महिमा में चिल्ला रहा था। और अचानक से, अग्नि का स्तम्भ नीचे उन पेड़ों के ऊपर आ गया, और गर्जने और बिजलियां चमकी, और हवा बहुत तेज चली, और पत्तियां पेड़ से झड़ने लगी। और मैंने नीचे की ओर देखा, और यहाँ इस आराधनालय की आकृति खड़ी थी, जिस प्रकार से यह अब स्थित है। और अंत में जहां प्रचार मंच होगा, वहां तीन पेड़ थे, और उन तीनो पेड़ो ने तीन क्रूसो की आकृति ले ली। और मैंने ध्यान दिया कि दोनों आलूचे और सेब को पेड़ झुण्ड में होकर क्रूस के मध्य में आ गए। और मैं बहुत तेजी से दौड़ा, और अपनी पूरी सामर्थ से चिल्लाया, और क्रूस के ऊपर गिर पड़ा, या क्रूस पर, और अपने हाथ चारों ओर डाल दिए। और हवा हिलने लगी, और वो—वो—वो क्रूस पर से फल, और ये सब मेरे ऊपर गिरे। और मैं बहुत ही आनंदित था, आनंद कर रहा था। और यह कहा, "अब फल खाओ, क्योंकि यह मनभावन है।"

13 और फिर यह आग के चक्कर ने बुलाया, कहा, "फसल पक गयी है, और मजदूर थोड़े है।" और उसने कहा, "अब, जब तू फिर अपने आपे में आये, या इससे बाहर आये, पढिये दूसरा तिमोथियुस 4। दूसरा तीमुथियुस 4।" और फिर मैं अपने आप में आया। और वहां खड़ा हुआ अपने मुंह और हाथों को रगड़ रहा था। और, बस तब, कमरे के कोने में, ऊंचे पर सूर्य चमक रहा था, तो फिर मुझे अब भी कुछ घंटे या अधिक दर्शन में होना चाहिए, और यह कहा, "दूसरा तीमुथियुस 4।" और मैं तुरन्त अपनी बाईबल के लिए आगे बढ़ा, और मैं दूसरा तीमुथियुस 4 पढ़ता हूं।

14 अब, मैं इसे अभी पढ़ना चाहता हूं। और एक परदेसी के समान जैसा कि लगता है जैसा कि मैं दूसरा तीमुथियुस 4 पढ़ता हूं, वह स्थान जहां मैं रुका, और बहुत सी बार और मैंने उस पर वहां आराधनालय में प्रचार किया, यह विचित्र लगता है कि मैं उस पर रुकुंगा। अब दूसरे तीमुथियुस 4, पहले पांच पद। जो, *पांच* जो कि "अनुग्रह" का नम्बर है। मैं इसे पढ़ता हूं।

> *मैं तुझे आज्ञा देता हूं... परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवतो और मरे हुओं का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने और राज्य को सुधी दिला कर मैं तुझे चिताता हूं:*
>
> *कि तू वचन को प्रचार कर; समय* और *असमय तैयार रह; सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलहाना दे और डांट और समझा।*
>
> *क्योंकि ऐसा समय आयेगा कि लोग खरा उपदेश ना सह सकेंगे; पर कानो की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार... अपने लिये बहुतेरे उपदेशक* बटोर *लेंगे;*
>
> *और वे अपने कानों को सत्य से फेर कर और कथा कहनियो पर लगायेंगे।*
>
> *पर तू सब बातों में सावधान रह, दु:ख उठा,* और *एक सुसमाचारक प्रचार का काम कर,* और *अपनी सेवा को पूरा कर।*

15 क्या आपने कभी ध्यान दिया, और मैंने इस पिछली मई तक कभी ध्यान नहीं दिया, और मैंने कोई और पवित्र वचन तब तक वहां कभी नहीं पढ़ा? यही जो मैंने कभी पढ़ा क्योंकि यह ऐसा प्रतीत होता है कि यह—

यह पर्याप्त है, क्योंकि यह मुझे बता रहा था कि वचन का प्रचार करूं और दु:ख उठाऊ और सहनशीलता के लिए, क्योंकि समय आ रहा था जब वे खरा उपदेश ना सह सकेंगे, परन्तु अपनी अभिलाषाओं के अनुसार बहुतेरे उपदेशक बटोर लेगे, अपनी कानों की खुजली के कारण, और सत्य से फिर कर कथा कहानियों पर जायेंगे। परन्तु, अब, उसने कभी नहीं कहा मैं एक सुसमाचार प्रचारक था। उसने कहा, "एक सुसमाचार प्रचार का कार्य कर।" देखिए पौलुस तीमुथियुस को बता रहा है। क्या आपने ध्यान दिया वह इसे कैसे कहता है? उसने नहीं कहा, "अब, तुझे सुसमाचार प्रचारक होने के लिए बुलाया गया है।" इसने कहा, "एक सुसमाचार प्रचारक का कार्य कर।" समझे? अब, हम वहां ध्यान देते हैं। अब, यदि मैं अपने पूर्ण हृदय से कहूं और अपने सारे ज्ञान से, कि यह शब्द दर शब्द पूरा हो गया। बिल्कुल ठीक। और यह तीस वर्ष पहले है।

16 और जहां तक मैं जानता हूं, कि हर एक दर्शन जो उसने मुझे कभी भी दिया पूरा हो गया, केवल एक को छोड़ कर कि मेरी अपनी सेवकाई में बदलाव है, कि जहां मुझे लोगों के लिए छोटे–छोटे स्थानों में जैसे तम्बुओं में प्रार्थना करनी है, या एक बड़े सभा भवन या ऐसा ही कुछ। यह मुझे एक तंबू जैसा लगा। आपको यह स्मरण है, दो या तीन वर्षो पहले? इसमें से अधिकांश घटित हो गए। मुझे मेक्सिको जाना था, और कैसी उस रात्री वर्षा होगी और वहां क्या घटित होगा। और उसने मुझे मेरी पहले खिंचाव की सेवकाई बताई। उस छोटी मछली को पकड़ने के विषय में स्मरण रखे, या इस पर चूकना? दूसरी वाली एक छोटी मछली थी। परन्तु फिर उसने मुझे बताया, "तीसरे खिंचाव पर, उसे असफल ना करना। समझे? और लोगों को ना बताना।" मैं जो करना चाहता हूं उसे सदा बताने का यत्न करता हूं। वह मुझे बताता है कि लोगों को ना बताऊं कि तुम क्या कर रहे हो। बस वही करूं जो वह मुझे करने को कहता है और बस शान्त रहूं। समझे?

17 परन्तु मैं इस प्रकार का व्यक्ति हूं, कि मेरे पास कोई भेद नहीं है, इसलिए जो मैं जानता हूं सब बता देता हूं। ताकि, यह—यह बस बढ़े, मैं समझता हूं। परन्तु, मैं यह यत्न करता हूं... मैं लोगों से प्रेम करता हूं, और मैं चाहता हूं कि लोग बच जाये और इतना अधिक कि मैं उन्हें सब कुछ जो मैं जानता हूं बता दूं, जब तक कुछ ऐसा ना हो कि वह मुझ से कहे कि बताना नही, सही में, ताकि वे इसमें चूके ना। समझे? मैं उन्हें चाहता हूं कि इतने समीप हो कर देखें कि इसमें कोई गलती नहीं होगी।

18 अब, यह ठीक वैसे ही घटित होगा। अब स्मरण रखें, उत्तरदायत्व था, यदि हम एक क्षण इसका अध्ययन करें, "मैं तुझे परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के सन्मुख उत्तरदायी ठहरता हूं, जो कि अपने राज्य में प्रगट होने पर जीवित और मरे हुओं का न्याय करेगा।" समझे? "न्याय... परमेश्वर के और मसीह के सन्मुख तुझे आदेश देता हूं, कि तू—कि तू वचन प्रचार कर।" और इसलिए मेरी आज रात्री तक सहायता की, जहां तक कि मुझे कोई ज्ञान है, मैंने कभी भी कुछ सिवाये वचन के कुछ भी प्रचार नहीं किया, देखिए, और ठीक इसके साथ बना रहा। इसमें बहुत ही कठिनाई थी, और मैं बहुत से कष्टों में से निकला और बहुत सी परीक्षाओं में से, बहुत से बहुमूल्य मित्रों से अलग होना पड़ा, उसी वक्तव्य के कारण, "वचन प्रचार कर।" और मैं—मैं...

19 आपको दर्शन में स्मरण होगा, या, छोटा अनुवाद जैसा कि मैं इसे कहूंगा कि हाल ही में, जहां मुझे ले जाया गया और उन लोगों को देखा और मुड़ कर स्वयं को देखा और वहां वे लाखों थे। और मैंने कहा, "मैं यीशु को देखना चाहता हूं।"

और उसने कहा, "वह और ऊंचे पर है।"

20 तो, देखिए, जब लोग मरते हैं, वे—वे एकदम से परमेश्वर के पास ऊपर नहीं जाते। अब, आप, मैं निश्चित हूं कि आप यह समझ गए होगे। हो सकता है मैं यह जितनी अच्छी तरह हो सकता है इसे बताऊं। तो क्या आप जल्दी में हैं? तो फिर हम अपना समय लेते हैं और—और—और जितना स्पष्ट हो सकता है इसे करने का यत्न करेंगे।

21 अब, जब हम यहां आते हैं, हमें स्मरण हैं कि हम यहां तीन आयामों में रहते हैं। और मैं नहीं जानता कि मैं उनका नाम ले पाऊंगा या नहीं। उसमें से एक उजियाला, और दूसरा पदार्थ। टॉमी, तुम्हे याद है तीसरा क्या है? [कोई कुछ तो कहता है—सम्पा।] हुंह? ["परमाणु।"] परमाणु? [कोई और कहता है, "समय।"] समय। ठीक है। अब, उजियाला, पदार्थ और समय। और हमारी पांच इन्द्रियां उन आयामों से संपर्क करती हैं। हमारी दृष्टि ज्योति से संपर्क करती हैं, हमारा अनुभव पदार्थो, और आदि–आदि से संपर्क करता है।

22 अब, परन्तु हमने विज्ञान के द्वारा, चौथे आयाम से, सम्पर्क किया है, जैसा कि यह था। क्योंकि ठीक इस इमारत में से होते हुए अब चित्र आते हैं,

रेडियो की आवाज, टेलीविजन पर चित्र, जिससे हमारी इन्द्रियां संपर्क नहीं करती है, परन्तु अब भी उनके पास एक—एक नली या एक क्रिस्टल है जो उन तरंगों को पकड़ कर उन्हें प्रगट कर देता है। इसलिए, आप देखिए, कि ठीक इस भवन में अब लोगों की कार्यविधियां, हवा में है, जीवित आवाजें। वे यहां हैं। हम यह जानते हैं। वे बिल्कुल सत्य है। और आप केवल यह करते हैं, वे—वे इसे इस पर पकड़ते हैं... मैं इसकी उन चीजों की—की यांत्रिकी नहीं समझता, उस विज्ञान की चीजो की जो उन्होंने खोज की, परन्तु हम यह जानते हैं कि यह हम में सिद्ध होता है कि चौथा आयाम है।

23 अब, पांचवां आयाम जहां पापी, अविश्वासी मरता और जाता है। पांचवां आयाम जो है, एक प्रकार से, तो ये, भयानक आयाम है। अब यह मनुष्य...

और जब एक मसीही मरता है, वह छठवें आयाम में जाता है।

और परमेश्वर सातवें आयाम में है।

24 अब फिर, आप देखते हैं, एक मसीही जब वह मरता है, वह परमेश्वर की वेदी के नीचे जाता है, सीधा परमेश्वर की उपस्थिति में, वेदी के नीचे। और वह विश्राम में है।

25 इसे खुले विवरण में, जब एक मनुष्य को दु:स्वप्न होता है, तो वह कुल मिलाकर ना तो सोता है, ना ही जगा हुआ है। वह जागने और सोने के मध्य में है, और यही है जो उसे भयानक झटका देता है और चिल्लाता है, क्योंकि वह सोया हुआ नहीं है, वह जाग हुआ भी नहीं है। और इसे लेने को, यह दर्शाता है कि मनुष्य जब बिना मतपरिवर्तन के मरता है तो कहां जाता है। उसने अपने समय को जी लिया, वह पृथ्वी पर मरा हुआ है; और वह परमेश्वर की उपस्थिति में नहीं जा सकता, क्योंकि वह वहां बिना लहू के जाने के योग्य नहीं है। और वह पकड़ा हुआ है। और वह पृथ्वी पर वापस नहीं आ सकता, क्योंकि यहां पृथ्वी पर उसका समय समाप्त हो गया है, और वह बीच में जकड़ा हुआ है, और वह दु:स्वप्न में है। समझे? वह परमेश्वर की उपस्थिति में नहीं जा सकता कि विश्राम करे। और वह वापस भी नही आ सकता कि पृथ्वी पर वापस आये, क्योंकि उसका समय पूरा हुआ। वह एक दु:स्वप्न में है, और वहां वह न्याय के दिन तक रहता है। इसमें होना एक भयानक चीज है, देखो।

26 और अब इस दर्शन में, मैं विश्वास करता हूं कि मैं छठवे आयाम में

आया, यहां वापस देख रहा था और पीछे देख सकता था। देखिए, दृष्टि बिल्कुल जो संसारिक होती है, वैसी नही थी। परन्तु तब दृष्टि एक महान चीज है... वहां दृष्य कि वे वहां थे, उनका संपर्क हमारे प्रकृतिक चेतनाओ के संपर्क से कहीं और बढ़ कर है।

27 यहाँ कुछ समय पहले मैं इसकी व्याख्या कर रहा था। मैं एक टेलीविजन चित्र को देख रहा था जहां वे मनुष्य को गहरे समुन्द्र, मैं सोचता हूं दो मील या एक मील गहरे में उतार देते है, और उनमें ज्योति किरणें थी जो निकल रही थी। वे समुद्री जीवन दिखा रहे थे। और वहां से मछली आती है, वह भयानक दिखने वाले चीज थी। यह मध्य रात्री, वहां नीचे काली स्याही। और उनकी नाक पर फॉस्फोरस था और उनके आंखे नहीं थी। अब, उन्हें खाना खिलाया था, तो ऐसा लगा कि अपना भोजन ढूंढने के लिए, वे दूसरी चेतना से चल रहे थे; दृष्टि से नहीं, क्योंकि उनके पास आंखें नहीं थी, वहां नीचे उन्हें उपयोग में नहीं ला सकते थे। परन्तु वे दूसरी चेतना से निर्देशित थे ताकी वे अपने भोजन से संपर्क कर सके। और मैंने सोचा, "यदि मैं इस छोटी मछली को अपनी दृष्टि से वश में कर सकूं, तो मैं उसे कितना अधिक भोजन दिलवा सकता हूं और उन स्थानों तक का मार्गदर्शन करूं, मेरी दृष्टि उसके रडार से कितनी बड़ी है जिससे वह संपर्क करता है।" समझे? और मैंने सोचा, "यदि मैं उसका मार्गदर्शन कर सकूं!"

28 तब यह मेरे पास आता है, "यदि मैं स्वयं को केवल परमेश्वर को समर्पित कर सकूं, तो परमेश्वर की दृष्टि और चेतना कितनी महान है, जो हमारा उन से कितना अधिक मार्गदर्शन कर सकता है जिन चीजो को हम देखते हैं, क्योंकि जो विश्वास वह हमें देता है, वह उन चीजों का प्रमाण है ना कि आंख से देखी हुई चीजों का।" तो फिर यदि वह छोटी मछली कभी भी जल की सतह के ऊपर नहीं आ सकी जैसे कि दूसरी मछली, क्योंकि वह दबाव में है। आप उसे ऊपर लाये, वह फट जायेगा। हम इससे अधिक ऊपर नही जा सकते और फटने से बच जाये। हम दबाव में है पर उस— उस स्थान के लिए जिसमें हम रहते हैं।

29 परन्तु यदि अब वह छोटी मछली कभी यहां ऊपर आ सके और मैं बन जाये, तो वह छोटी मछली कभी भी फिर से अर्ध रात्री के अंधकार में नीचे नही होना चाहेगा? वह कभी भी मछली बनना ना चाहेगा, क्योंकि वह अब मछली से कुछ बढ़ कर है, वह एक मनुष्य है; उसके इन्द्रियां महान

है, उसकी समझ महान है, उसकी बुद्धि उत्तम है। तब इसे एक करोड़ से गुणा कर दो, तब आप पायेंगे कि जब यहां से निकल कर वहां परमेश्वर की उपस्थिति में जाना क्या हैं, जहां मनुष्य जाति जो हम यहां है उससे बहुत आगे होता है। आप कभी भी इस प्रकार के मनुष्य नहीं होना चाहेंगे, यहां बीमारी और भ्रष्टचार के कीट घर में। यह मेरे हृदय में रहा है, जो कि तीस वर्षों से मैंने यत्न किया है सुसमाचार को सारे संसार में प्रचार किया, कि लोगों को बताऊ कि एक स्वर्ग है कि—कि उसे प्राप्त कर लो कर लो और दूर छिप के रहने के लिए नरक है, और एक परमेश्वर है जो आपसे प्रेम करता है, और एक—एक छुड़ाने वाली सामर्थ जो कि आपको किसी भी समय उठाने के लिए तैयार है जिसे आप लेने के लिए तैयार हैं।

30 जैसे कि एक मनुष्य लटकी हुई रस्सी खींच रहा है, वह सोचता है, "अच्छा, रस्सी, मैं स्वयं को बाहर खींच सकता हूं, परन्तु मैं रस्सी को पाने योग्य नहीं हूं।" वह रस्सी इसी विशेष उद्देश्य के लिए रखी गयी थी, आपके लिए कि स्वयं को वहां से बाहर खींच ले। इसी कारण यीशु मसीह मरा, इसी करण से कि पापियों को बचा ले। वह अनंत जीवन की रस्सी को भुला रहा है, जो कि आज की रात्री यहां प्रत्येक पापी के सिर के ऊपर से होकर निकलेगी, और उस पर एक स्वागत चिन्ह लटका रहा है, "इसमें से बाहर आ जाओ।" यदि—यदि आप—यदि आप इसे करना चाहे, तो तैयारी है।

31 अब, जब मैंने वह स्थान देखा और वह स्थिति जिसमें वे लोग थे, और कैसे यह संसार उन चीजों के आगे सोच सकता था, यह महिमामय था। वह पाप हो नहीं सकता था, कोई मृत्यु नही ना ही कुछ उस स्थान में प्रवेश कर सकता था। और वहां पुरुष और महिलाओं में कोई अंतर नहीं, उनमें से केवल वो—वो लिंग सम्बधिंत ग्रंथियां चली गई थीं, और वहां कभी भी व्यभिचार नहीं हो सकता, और अधिक कुछ नहीं। परन्तु रंग रूप में वह अब भी एक महिला थी, और पुरुष का रूप अब भी वैसा था, और वे सदा वैसे ही रहेंगे। क्योंकि जब परमेश्वर...

32 अब यह अच्छा हो सकता है, आप में से कुछ हाई स्कूल के विद्यार्थी जिनको यह बातें पढ़ाई गयी है क्रम विकास के विषय में। अब, मैं क्रम विकास में विश्वास करता हूं, परन्तु इस प्रकार से नहीं कि मनुष्य किसी शुष्म जीव से—से विकसित हुआ। उनकी अपनी ही परिकल्पना उन पर

उल्टी पड़ती है, जब वे किसी चीज में मिलावट करना चाहते हैं, वह स्वयं को फिर उत्पन्न नहीं करेगा। इसलिए, आप देखते हैं, यह—यह उन्ही पर उल्टा आकर पड़ता है।

33 अब, मैं विश्वास करता हूं कि जब परमेश्वर ने पृथ्वी को नहलाना आरंभ किया, सम्भव है पहली चीज जो उसने की एक जैली मछली आयी, और उस से एक मेंढक पर, और फिर आगे। परन्तु, आप देखिए, यह निरन्तर मनुष्य के रूप के समीप और समीप, और मनुष्य परमेश्वर का एक स्वरूप था। और इसी कारण कि घास क्रम विकसित हुई, सम्भवत: घास, और फिर घास से फूल आये, और फूलों से झाड़ियां आती हैं, और झाड़ियों से पेड़ आते हैं। क्यों? यह दूसरी ओर खड़े जीवन के वृक्ष का चित्र है। और हर चीज इस ओर जो प्रकृतिक है, एक अलौकिक की छाया है या उस ओर अनंत थी। इसलिए, जब तक नया जन्म प्राप्त मसीही पृथ्वी पर है, और यहां हमारे पास इस प्रकार का शरीर है, यह उस ओर प्रतीक्षा करते हुए की छाया है जहां कोई मृत्यु और दु:ख नहीं है। और यह हमारे हृदयो में भूख उत्पन्न करता है इस प्रकार के लिए। देखिए, हम में कुछ है जो पुकारता है। हम बस... कुछ है जो हमें बताता है कि यह वहां है। मैंने इन वर्षों में विश्वास किया है... मैं परमेश्वर के समक्ष क्षमा चाहता हूं और लोगो के सामने कि मूर्ख हूं और... और बहुत सी गलतियो के करने से। परन्तु इन बहुत सारे वर्षों में मुझे बहुत से लाखों लोगों को परमेश्वर के राज्य में आते हुए देखने का सौभाग्य मिला, और प्रभु का धन्यवादित हूं कि उनकी अगुवाई वहां के लिए की। और मैं विश्वास करता हूं कि उस दिन वे वहां होंगे।

34 अब, दर्शन पूरा हो गया था। और कैसे मैं कभी कही नही रुका, नही जानता, उस 5वे पद पर। बस इतना ही जो मैंने कभी पढ़ा। परंतु वहां उस अध्याय में कुछ और था, और बहुत से पद। अब, आप अपने होटल के कमरे में या आज रात्री घर में, जैसे ही हम सभा को समाप्त करते हैं, उस बाकी को पढ़ें, क्योंकि मैंने यहां बहुत से पद लिख रखे हैं जिनका मैं उल्लेख करना चाहता हूं, और अभिलेख जिनका उल्लेख करना चाहता हूं। और मैं चाहता हूं कि जब आप घर जाए तो आप उसे पढ़ें। मैं इसका उल्लेख यह टेप पर होगा। इसमें से यदि आप कुछ निशान लगाना चाहते हैं, क्यों, यह ठीक होगा।

35 अब, क्या आप विश्वास करते हैं कि पुरुष और महिलाएं, जिन्हें मैं

जानता हूं आप जानते हैं, परमेश्वर के आत्मा के द्वारा इन चीजो को करने के लिए अगुवाई की गयी? समझे? और यीशु हमारा नमूना है। यदि आप यह ध्यान देंगे, मैं निकालना चाहता हूं, आप मेरे साथ निकाले संत लूका 4था अध्याय, एक मिनट। और मैं आपको कुछ चौकाने वाली चीज दिखाना चाहता हूं। और ताकी हम इन बहुत से संदर्भो को नहीं लेंगे, परन्तु वह जो आप यहां मेरे साथ यहां पढ़ सकेंगे, इस एक पर, बस कुछ क्षणों के लिए। संत लूका, 4था अध्याय और 14वां पद, हम यहां से आरंभ करते हैं। अब जरा ध्यान से देखे यदि आप कुछ घटित होते हुए देखना चाहते हैं, यह समानान्तर। अब ध्यान दें।

और यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा:... फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा: और उसकी चर्चा आस–पास के सारे देश में फैल गई।

और वह उनके आराधनालयो में उपदेश करता रहा, और सब उसकी बढाई करते थे।

और वह नासरत में आया, जहां पाला–पोसा गया था: और, अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में जाकर पढ़ने के लिए खड़ा हुआ।

और यशायाह *भविष्यद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई। और जब उसने पुस्तक खोल कर, वह जगह निकाली जहां यह लिखा हुआ* है,

कि प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिए उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है; और *उस ने मुझे इसलिए* भेजा है *कि टूटे मन के लोगों को चंगा करूं* और *बन्धुओं को छुटकारे जा प्रचार करूं*, और *अन्धो को दृष्टी पाने का,* और *कुचले हुओं को छुड़ाऊं।*

और *प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं।*

तब उसने पुस्तक बंद करके,...

36 अब, यदि आप चाहते हैं, यदि आप इसका उल्लेख चाहते हैं, यहां मेरे पास है, बस एक मिनट, यदि मैं यहां हाशिये पर से ले सकूं। यदि आप ध्यान दें, आप इसे भी पायेगे यहां मरकुस में और विभिन्न स्थानों में, परन्तु

यशायाह 61:1 और 2। अब, क्या यह विचित्र नहीं है कि वह ठीक वहां रुक गया, और फिर ठीक अगला पद... यह वह था जो उसके पहले आगमन पर लागू होता है। और दूसरा, अगला पद, उसके दूसरे आगमन पर लागू होता है, न्याय पर। वह रुका और पुस्तक बंद कर दी। यदि आप में से कोई एक स्कोफिल्ड की बाईबल पढ़ रहा है, तो आप उसमे एक नीचे की ओर लिखी टिप्पणी पायेंगे। देखिए? यह वहां पर है समझे, अपनी नीचे लिखी टिप्पणी को दूसरे चिन्ह पर देखे एक टिप्पणी, देखा, और आप ध्यान देंगे। "वहां—वहां एक संदेश से एक तुलना है जो यशायाह 61:1 और 2, घटना को प्रदान करता है... " जहां, कि यह पवित्र लेख है, प्रचार कर रहा है, यीशु प्रभु के प्रसन्नता के वर्ष को प्रचार कर रहा है; और अगला पद उसके आगमन के साथ आता है और न्याय के साथ। समझे? और आप देखिए कि वह कैसे ठीक वहां रुक गया।

37 और कैसे मैंने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया, और कैसे मैं सदा इस 5वें पद पर रुका, "क्योंकि समय आएगा कि लोग खरा उपदेश ना सह सकेगे, परन्तु अपने कान की खुजली मिटाने के लिए बहुतेरे उपदेशक बटोर लेंगे, और सत्य से फिर कर कथा कहानियों पर मन लगायेगे। परन्तु तू सुसमाचारक प्रचार कर, और अपनी सेवा को सिद्ध कर दे।" समझे? और परमेश्वर की सहायता और अनुग्रह से मैंने यह करने का यत्न किया है। और मैं चाहता हूं मेरे मित्रो वे जो यहां और बाहर देशों में जहां टेप जाएंगे, दोनों, कारण कि मैंने पक्ष लिया है कि मैं वचन के लिए हूं, यही वह कारण है: "वचन प्रचार कर।" यही कारण है कि मैं किसी भी मतसारो से मेल नहीं खाता, किसी नामधारियो से नही, क्योंकि मुझे परमेश्वर की ओर से यह अधिकार मिला है कि वचन के साथ बना रहूं। अब यदि कोई कुछ और करना चाहता है, तो यह उन पर है।

38 अब यदि आप दर्शन में ध्यान देंगे, जो कि मुझे... मेरी सेवकाई के लिए था, यह था कि मैंने कभी भी उन पेड़ों को पार नहीं किया। मैंने कभी धर्मांतरण नहीं किया। मैंने कभी नहीं कहा कि, "तुम सब त्रिएकता वालो एक वाद में हो जाओ" या "तुम सब एकवाद वालो त्रिएकता वाले हो जाओ।" मैंने ठीक उन्ही के गमलो में बोया है। बिल्कुल ठीक। मैं त्रिएकता वालो के पास गया, मैं एकवाद वालो के पास गया, मैं सब के पास गया, और उनके मध्य में रहा और उनमें कभी भी किसी का सदस्य नहीं बना; परन्तु एक भाई के समान, ठीक वैसे ही जैसा दर्शन ने करने को कहा। और मैंने दोनों

ओर से फल खाये, दोनों ओर उद्धार।

39 और अब, क्या आपने ध्यान दिया, यहां बहुत से त्रिएकता वाले लोग यहां बैठे हुए हैं, बहुत से एकवाद वाले, और वहां बहुत से विभिन्न प्रकार के है। परन्तु आप कितने छोटे होगे कि इस विषय में विवाद करे, क्योंकि यदि दर्शन का वह भाग सत्य था, तो दूसरा भाग भी सत्य था। क्रूस में दोनों फल पाए गए थे। समझे? दोनों ही क्रूस में थे, सारे गुच्छे एक साथ थे, और दोनों अलूचा और नाशपाती, या आड़ू, या आलूचा और सेब वहां मेरे ऊपर बरसे। दोनों के दोनों। सब क्रूस में पाए गए, क्योंकि उन सब ने परमेश्वर पर विश्वास किया और पवित्र आत्मा से भर गए, और मसीही कार्य किए और चिन्ह घटित हुए।

40 अब, नामधारी को इससे कुछ लेना–देना नहीं। यह तो नया जन्म प्राप्त होगा जिसे इससे मतलब होगा। यह आपका अनुभव परमेश्वर के संग होगा इसे ही इससे मतलब होगा। अब, हम इसमें बहुत कुछ देखते हैं। यहां मेरे पास बहुत से पवित्र लेख है जिनका मैं उल्लेख करना चाहता हूं। सम्भव है थोड़ी देर के बाद।

41 परन्तु अब मैं आपको 5वें पद से लुंगा और 18वें पद तक। और अब समय बचाने के लिए, मैं—मैं इसे नहीं पढ़ूंगा। परन्तु अब पौलुस, यहां फिर से तिमोथियुस में आरंभ करता है, यदि आप ध्यान दें कि वह कैसे बोलना आरंभ करता है, यह दयनीय है। अब यदि आप ध्यान दे 5वे पद के पश्चात।

क्योंकि अब मैं अर्ध की नाई उडेला जाता हूं, और मेरे *कूच का समय आ पहुंचा।*

दृश्य पर से हटने को तैयार है। आरंभ कर दिया, देखा, "मैं... " ठीक है, ध्यान दे। "ओह... "

... मेरे *कुच करने का समय आ पहुंचा।*

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रखवाली की है:

भविष्य में मेरे लिए धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु जो धर्मी और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा*: और केवल मुझे ही नहीं, वरन... उन सब को भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।*

42 और फिर वह बताने के लिए आगे बढ़ता है, "सब कर, सारी चीजे कर।" क्या? उसके लिए कोट ले आ। अब हम यहां से आरंभ करते हैं, और वह कहता है:

... देमास ने मुझे छोड़ दिया है, ...

43 उसकी सेवकाई में एक समय होगा जब वह एक युवा सुसमाचार प्रचारक था, एक युवा भविष्यवक्ता, हर कोई उसे चाहता था। परन्तु अब आप ध्यान दें, यहां समय बीतते–बीतते उसने कहा:

... *सब लोगो ने मुझे* छोड़ दिया:... (किस लिए? वचन।)

44 जब यीशु, गलील का युवा भविष्यवक्ता था, उसका ऐसा समय आया और वह छोड़ दिया गया था। सब मनुष्य जो परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे, ऐसे स्थान पर पहुंचे जहां संसार ने उन्हें छोड़ दिया और धर्मी संसार ने। एक दिन यीशु ने पांच हजार को खिलाया, और उन्होंने टुकडो की—की भरी टोकरियां उठायी उन पांच रोटी और दो मछली से। और ठीक अगले दिन, मैं विश्वास करता हूं कि यह था, वह वचन के साथ आया, और वे सब उसे छोड़ कर जाने लगे। और उसने चारो ओर चेलो को देखा, और कहा, "क्या तुम भी चले जाओगे? " यहां तक कि उसके द्वारा अभिषिक्त उसके अपने सेवक उसे छोड़ गए। और उसने कहा, "क्या तुम भी चले जाओगे? "

45 तब पतरस ने वे विशेष शब्द बोले, यह कहते हुए, "प्रभु, हम कहाँ जायेंगे? केवल तेरे ही पास अनंत जीवन है।"

46 ध्यान दें। परन्तु समय आता है जब छोड़ने का समय आता है, और इसे—इसे तो आना ही है। इसे आना चाहिए। और अब मेरे पास बहुत से भविष्यद्वक्ता है और उल्लेख करने के लिए बाते है, और आपको प्रमाणित करने के लिए कि वह समय आता है। और यह मेरे लिए आ गया। कोई आवश्यकता नहीं कि इससे पीछे छुड़ाने का यत्न करे, यह यहाँ पर है और आपको इसे लेना है। वे इससे नहीं भागे, वे खड़े रहे और इसे लिया, और सुसमाचार से नही लजाये।

47 आप पौलुस को ध्यान दे, "मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका। मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली। मैंने विश्वास की रखवाली की है।" ओह, प्रभु! यहाँ आगे उसने कहा, "मैं वन पशुओ से लड़ा। और मैं—मैं सिंह के मुंह से छुड़ाया

गया।" और वे बाते जिन में वह गया, परमेश्वर उसके लिए भला था। परन्तु समय आ गया था जब वह कूच करने वाला था।

48 अब, हम आश्चर्यचकित है कि, क्यों एक मनुष्य, एक सेवक, पौलुस का देमास जैसा साथी, कभी पौलुस को छोड़ देगा?

49 भाई बैक्सटर आप जानते हैं, आप में से बहुतो को वह स्मरण हैं। वह इस अक्सर... देमास के विषय में पढ़ा करता था। उसने कहा, "आप जानते हैं भाई ब्रन्हम, मैं क्या करने जा रहा हूं, जब मैं स्वर्ग में पहुँचूँगा पहली चीज जो मैं करूंगा? "

और मैंने कहा, "क्या? "

50 उसने कहा, "मैं सीधा जाऊंगा और ढूंढूंगा कि देमास कहां पर है, और जितनी जोर से हो सकता है, मैं उसको घूसा मारूंगा।" और कहा, "और वह घूम कर कहने वाला है, 'बैक्सटर, तुम इसके लिए क्या करोगे? '" उसने कहा, "तुमने क्यों उस बेचारे छोटे पौलुस को छोड़ दिया जब सबने उसे छोड़ दिया था? " मैं इसका उल्लेख नहीं करता, मेरा विश्वास नहीं है कि वहां पर कोई झगड़ा होगा, परन्तु मैंने भाई बैक्सटर के विषय में यह कहने के लिए सोचा क्योंकि वह पौलुस के लिए बहुत दु:खी है।

51 अच्छा, पौलुस ने क्या किया था? वह उतनी ही ईमानदारी से प्रचार करता रहा जितना हो सकता था, और पवित्र आत्मा उस पर था। और जब उसने उन सेवा करने वाली महिलाओं के विषय में लिखा, और बाते मैं कल्पना करता हूं वहां हल्ला हो गया था। कहा, "स्त्री कलीसिया में शांत रहे, उन्हें बोलने की आज्ञा नही, " और ठीक उस समय वह कैद में था।

52 क्या आप कल्पना कर सकते हैं उन कुछ बिशपो ने क्या कहा? "हुंह! वह व्यक्ति वहां जेल में था, उसे हमारे साथ लिखने का क्या कार्य था? समझे? और उसके साथ तीमुथियुस था, एक मद्यप्रेमी, उसके साथ। इसलिए अब वह वहां पर है, तीमुथियुस को मद्यपान करा रहा है, और यहां वह कैद में पड़ा है, और लिख रहा है, हमें बता रहा है कि पवित्र आत्मा हमें करने के लिए क्या बताना चाहता है।"

53 परन्तु उसने कहा, "यह... क्या? परमेश्वर का वचन तुम में से आया, और केवल तुम ही में से आया? यदि कोई भी मनुष्य स्वयं को आत्मिक या एक भविष्यव्यक्ता समझता है, वह यह जान ले कि जो मैं लिखता हूं वह प्रभु की आज्ञाये है।" समझे?

54 मित्रो, देखिए, समय आता है। और मैं चाहता हूं कि राष्ट्र में जो लोग है उनके पास टेप जाये, इस बात को स्मरण रखने के लिए कि अलग होने का समय आ गया। यह होना ही चाहिए। मैं नहीं जानता कि मैं अंत समय से कितना दूर हूं, मेरी यात्रा का अंत। मैं नहीं जानता। यह परमेश्वर पर निर्भर है। मैं कल के विषय में नहीं जानता, और कौन... मैं नहीं जानता कि इसमें क्या है, परन्तु मैं जानता हूं कि यह कौन थामे हुए है। इसलिए यही जहां मेरा विश्वास बना हुआ है, इसी पर।

55 अब, मैं कल्पना करता हूं कि देमास ने उसे नहीं छोड़ा और रात्री क्लबों में चला गया। मैं कल्पना नहीं करता कि देमास ने यह किया, क्योंकि देमास आत्मा से भरा हुआ व्यक्ति था। वह एक महान सहायक था। यदि आप कभी देमास का इतिहास ले, वह एक जाना माना प्रचारक, एक सभ्य पुरुष, बहुत ही शानदार, शिक्षित व्यक्ति था। वह एक बुद्धिमान मनुष्य था। परन्तु वह क्यों पौलुस को छोड़ेगा? बात यह है। किसने उससे यह करवाया कि पौलुस को छोड़े? मैं विश्वास नहीं करता कि वह रात्री क्लबो में जाना चाहता था या कुछ और। परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि यह परमेश्वर पौलुस को अलग कर रहा था। अब मैं कल्पना करता हूं कि देमास...

56 आइए हम देमास के कुछ विचारों को लेते है। जैसा कि मैं पहाड़ पर बैठा हुआ था, उस दिन घूम रहा था दिन निकलने को था, और मैं सोच रहा था, "क्यों देमास उस व्यक्ति को छोड़ना चाहेगा? क्यों वह उस बेचारे प्रचारक को छोड़ेगा जो उसे प्रभु तक अगुवाई करके लाया, वह व्यक्ति जिसने अन्यजाति के मध्य में बेदारी को लाया, वास्तव में एक भविष्यवक्ता? " कोई नहीं कह सकता था परन्तु वह एक भविष्यवक्ता था। वह एक भविष्यवक्ता से बढ़ कर था, वह एक प्रेरित था, और एक महान सामर्थी प्रेरित अन्यजाती के लिए। और देमास पौलुस से जुड़ा रहेगा, उसके साथ संगति थी, और परमेश्वर के आत्मा को उस मनुष्य पर मंडराते देखा। और क्यों उसने ऐसे व्यक्ति की ओर अपनी पीठ फेर ली, जो कि प्रमाणित रूप में मसीह का दास था? क्या आपने ध्यान दिया यहाँ पौलुस, "इस वर्तमान संसार से प्रेम कर रहा है।" अब, मैं नहीं सोचता कि देमास पिछड़ा हुआ है। मैं नहीं सोचता कि उसने ऐसा किया। परन्तु मैं सोचता हूं उसने—उसने पौलुस के विषय में गलत विचार किया।

57 अब, देमास धनी परिवार से आया था और वह धनी था, और बहुत

सी बार लोगों के लिए पैसा धर्म होता है। जैसे कि वे कैलिफोर्निया में कहते हैं, "यदि तुम्हारे पास तीन कैडलक नहीं है, तो आप आत्मिक नहीं हैं।" इसलिए इसका अर्थ है, यदि आप सफल नहीं हैं, यदि आपके पास नगर में शानदार आराधनालय नहीं है, तो लोग नहीं जाएंगे। यहां भी लगभग इसी प्रकार से है, सिद्ध होता है। आप, आपके राष्ट्र का बढिया शानदार आराधनालय होना ही चाहिए, या वे कहते हैं, "आप, ओह, आपका अर्थ है आप इस प्रकार के छोटे से झुंड के सदस्य हैं? "

58 क्या आप जानते हैं हमारे प्रभु के पास अपना सिर रखने के लिए स्थान नहीं था? क्या आपको मालूम हैं कि उसके पास केवल एक कोट था? समझे? और उसके पास यह था... वह इस प्रकार का व्यक्ति था जिसने धक्के खाये थे। और उसके पास सिर रखने को स्थान नहीं था। परन्तु वे भी यही सोच सकते थे, और उसके विषय में, वही चीज को किया।

59 और, अब, मैं विश्वास करता हूं देमास ने एक असफलता देखी, प्रतीत होता है पौलुस की सेवकाई में। मैं सोचता हूं कि उसने सोचा कि यह बूढ़ा व्यक्ति परमेश्वर के सामने से हटा दिया गया था। अब, उसने सोचा कि लोग अपनी आंखें निकाल कर पौलुस को देना चाहते है...

60 अब, पौलुस ने कहा कि, उसने कहा, "कम से कम, तुम लोग यह चाहते थे कि अपनी आंखें निकाल कर, मुझे दे देते।" क्योंकि, हम सोचते हैं, पौलुस की आंखें खराब थी, क्योंकि उसने कहा, "मैंने तुम्हे बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा है।" उसने कहा, "बड़े–बड़े अक्षरो में," परन्तु मेरे पास वो—वो लेक्सिकन है, और यह कहता है, "बड़े अक्षरों के साथ।" वह वहां रोम के, कैद खाने में था। कुछ गडबड थी, उसने कहा उसकी आंखें उसे परेशान कर रही है जब से स्वर्गीय दर्शन पाया। इसलिए वह... लोग अपनी आंखों को निकाल देते, और देखते हुए पौलुस पीड़ित था, उसकी आंखें उसे परेशान कर रही थी, और वह पीड़ित था। और उसने चंगाई के लिए प्रभु से तीन बार विनती करी। और उसने कहा, "कही ऐसा ना हो कि मैं प्रकाशनो की बहुतायत से फूल जाऊं, मेरे पास शैतान का एक दूत भेजा गया ताकि मेरे तमाचे मार सके।" अब, यह भली प्रकार से ले पाएगा, तब उसे फिर से मारा। तब वह ठीक हो जाएगा, और उसे फिर मारा।

61 आप देखिए, पौलुस की सेवकाई बाकी सब चेलो को मिलाकर भी अधिक महान सेवकाई थी। उनमें से कुछ कह सकते थे, "भाई, मैं यीशु के

साथ चला हूं।" क्यों, सड़क पर एक मनुष्य उसके संग चला जब वह यहां पर था। परन्तु पौलुस ने उसे उसके मरने, गाढे जाने, और स्वर्ग पर उठा लिए जाने के पश्चात, अग्नि स्तंभ में देखा, और लौट कर और पौलुस को बुलाया, देखिए, देखिए, दमिश्क की राह पर। और उसकी सेवकाई मत्ती, मरकुस, लूका, या किसी भी दुसरे से महान थी। वह उनसे बहुत आगे था। और उसने कहा, "सिवाये कि मैं बढ़ाया जाऊं और कहूं, अब, तुम लोग इस विषय में कुछ नहीं जानते। मैंने प्रभु को उसके पुनरुत्थान के *पश्चात* देखा।'"

62 तो, वे कहते हैं, "हम उसके साथ चले।" तो, वैसे ही वे सारे लोग जो गलील के आसपास और नासरत और सारे देश से वहां थे। वे सब उसके साथ चले।

63 परन्तु, आप देखिए, पौलुस ने उससे बाते की और उसे देखा उसी रूप में जिस में वह पहले था वह शरीर बना। समझे? और उसने पौलुस को उसी अवस्था में अधिकार दिया, जबकि वह उस ज्योति में था। उसने पौलुस को अधिकार दिया। और—और पौलुस ने उसे देखा। और उसने कहा, "सिवाये कि मैं उठाया जाऊं, आप भाइयों से स्वयं को ऊंचा अनुभव करूं, मुझे शैतान से एक दूत भेजा गया," उसे पीटते हुए नम्र रखता है। और उसने कहा, "मैंने प्रभु से तीन बार विनती की कि इसे मुझ से ले ले। और उसने कहा, 'शाऊल, या पौलुस, मेरा अनुग्रह ही बहुत है।'" तब पौलुस ने कहा, "अपनी निर्बलताओं में, मैं तेरी महिमा करूंगा, क्योंकि जब मैं निर्बल होता हूं, तब ही बलवन्त होता हूं। देखिए, मैं इसी में महिमा करूंगा!"

64 अब, क्या आपने ध्यान दिया? कि, एक मनुष्य जिसकी सेवकाई बाकी किसी से भी महान थी जो उस कार्यक्षेत्र में थे, पौलुस की, उन सबसे महान सेवकाई थी, जिसने यीशु को अग्नि स्तंभ में देखा, और उसे वही करने का अधिकार दिया जो उसने किया, और उसी परमेश्वर के द्वारा प्रमाणित किया गया, और वही सामर्थ चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के साथ, कोई प्रश्न ही नही है; और इतना निर्धन था कि उसके पास केवल एक कोट था, लोगों के झुंड को प्रचार कर रहा है, जो अपनी आंखें निकाल देगे, और उनमें से कुछ करोड़पति। और फिर भी पौलुस के पास एक बागा या कोट था। उसने कहा, "उस बागे या कोट को ले आना, यहाँ ठंड हो रही है।" वह पहाड़ी

देश में था। उसके पास केवल एक कोट था।

65 और देमास, वह मनुष्य जो कि ऊँचे स्तर का था, ऊँची योग्यता, सभ्य, शिक्षित, और एक धनी मनुष्य जिसके पास बदलने के लिए बहुत से कपड़े थे, "और यह व्यक्ति, इसके साथ कुछ गडबड है। उसके बहुत से मित्र जो उसे देने के लिए अपनी आंखें निकाल देते, और फिर भी वह इतना निर्धन कि उसके पास एक ही बागा या कोट था। पौलुस के साथ कुछ गडबड है।"

66 ओह, आप जानते हैं, कि आत्मा संसार को नहीं छोड़ता, उनके पास अब भी उसी प्रकार से है। पैसा परमेश्वर का नहीं है। केवल एक ही परमेश्वर है। समझे? परन्तु लोग सोचते हैं क्योंकि आपकी एक बड़ी सेवकाई है, आपके पास *यह* सब और यह *सब* होना चाहिए, और यह सारी बड़ी–बड़ी चीजे, और बड़े–बड़े विद्यालय और बड़े *अमूक–अमूक*। परमेश्वर इन चीजों में व्यवहार नहीं रखता। या, कम से कम, मेरा यह विचार है। परमेश्वर एक व्यक्तिगत से व्यवहार करता है। उसने हमें कभी भी ऐसी चीजों को करने के लिए जाने के लिए अभिषेक नहीं किया।

67 परन्तु पौलुस, एक कोट के साथ, और उसने तीमुथियुस को यहां बताया कि उसे लेता आये क्योंकि यहां ठंड पड़ने लगी है। उह–हुंह। एक मनुष्य जिसके पास लाखो लोगो को प्रचार करने की सेवकाई है जो पौलुस ने किया, और एक सेवकाई जो सब प्रकार के आश्चर्यकर्म कर सकती है, और यीशु को अग्नि स्तंभ में देखा, उसे कार्याधिकार दिया, और फिर भी उसके पास एक ही कोट था। देमास ने कहा, "एक इस प्रकार का व्यक्ति," वह उससे अलग हो गया।

68 अब, जब वह यहां पर त्रोआस की ओर प्रचार कर रहा था, हम पाते हैं कि वहां एक मनुष्य था जो तांबे का कारीगर था। और वह एक दुष्ट था। और वह मसीहत से घृणा करता था। और उसने पौलुस के साथ बहुत कुछ खराब किया जो वह कर सकता था, उसे कैद करवा दिया, और सब... यहां तक कि पौलुस ने तिमोथियुस को भी इस बात के लिए चेताया, "उस व्यक्ति पर ध्यान रखना।" और यहाँ देमास! ओह परमेश्वर, लोग इसे सुने! यहाँ देमास एक व्यक्ति के पास खड़ा है, जिसने एक व्यक्ति को अंधा कर दिया था, क्योंकि उसके साथ विवाद कर रहा था। अब, आप मसीह की कलीसिया के प्रचारको, अब अपने–अपने कोट पहन लो। एक बार एक ने

मुझे से कहा, "मुझे अंधा करो! मुझे अंधा करो! तुम्हारे पास पवित्र आत्मा है, मुझे अंधा कर दो।"

मैंने कहा, "तुम पहले से ही अंधे हो।" समझे?

69 अब, पौलुस ने उस ठठेरे को अँधा क्यों नहीं किया? उसी प्रकार की आत्मा लोगों के ऊपर है जो ऐसा सोचते हैं, वही चीज देमास पर थी। एक व्यक्ति जो कि एक मनुष्य को अंधा कर सकता है, उसके विवाद करने के कारण, और तब फिरकर और एक ठठेरा नगर में उसकी सेवकाई को खराब करता है। कोई संदेह नहीं देमास ने कहा, "वह हटा दिया गया, वह अपने सारे वरदान खो चुका है। उसने—उसने अंधा करने का वरदान खो दिया है।"

70 क्या आप नहीं देख सकते कि वह आत्मा अब भी जीवित है, कहते हैं, "भाई, क्या आप अब ख़त्म हो गए हो"? ओह! यह—यह लोगों के सिर के ऊपर से निकल जाता है। वे इसे नहीं समझ पाते, बस वहां पर भी यही है। समझे? वे बस इसे नहीं देख सकते। समझे? वे नहीं समझते।

71 अब देमास ने... उस मनुष्य को अंधा नहीं करता क्योंकि वह चाहता है। यीशु ने नहीं कहा, "मैं तब तक कुछ नहीं करता जब तक पिता पहले मुझे ना दिखा दे"? क्या मैंने आपको वर्षों पहले नहीं बताया, मेरी अपनी मां वहां पड़ी मर रही थी, और कहेगी, "बिल, मुझे क्या लाभ हुआ?" मैं तब तक कुछ नहीं कह सकता जब तक पहले परमेश्वर ना कहे। और बस यही है जो घटित हुआ। मनुष्य नहीं कर सकता, मनुष्य आरंभ से ही असफल है। वह केवल एक जरिया है जिसके द्वारा परमेश्वर कार्य करता है, और परमेश्वर अपनी इच्छा से कार्य करता है। परन्तु जब आप इन महा धोखेबाज लोगों को देखे, जिनके पास सदा *यह* और *वह* या *कुछ* और होता है, तो अच्छा है आप उनसे अलग रहे। समझे? यीशु स्वयं ने ऐसा नहीं किया। उसने कहा, "मैं केवल वही कार्य करता हूं जो पिता करता है। वह मुझे दर्शाता है कि क्या करना है और फिर मैं जाकर इसे करता हूं। मैं दूसरा कुछ नहीं कर सकता... इसको छोड़ और कुछ नहीं।"

72 और यहाँ देमास ने पौलुस को देखा, एक मनुष्य जिसके पास इस प्रकार की सेवकाई है, और फिर भी इतना निर्धन है उसके पास खुद का केवल एक ही कोट है, और चाहता है कि तीमुथियुस उसे लेता आए। एक कोट! परन्तु, पौलुस ने मसीह के समान आदर्श रखा, उसके पास एक कोट था।

तो फिर क्यों धन और बहुत सा पैसा और चीजें लोगों के लिए आज बहुत महत्त्व रखती हैं? अब ध्यान दें। और उसके पास सामर्थ थी, कि कोई जो उसने प्रचार किया उसके विरोध में था तो फिर कर और कहा, "तू एक समय तक अंधा रहेगा।" और वह मनुष्य अंधा हो गया।

73 और यहाँ ठठेरा था, जिसने उसके साथ दस गुना बुरा किया जो उस मनुष्य ने किया, और फिर भी उससे दूर हो गया। देमास ने सोचा होगा, "अच्छा, देखो, अब यह बूढ़ा व्यक्ति ख़त्म हो गया। वह अपनी सेवकाई खो चुका।" नहीं, नहीं, वह अपनी सेवकाई नहीं खोई, बिल्कुल नहीं। परमेश्वर ऐसे कार्य नहीं करता। परमेश्वर एक इन्डियन दाता नहीं है। जी हां। अब ध्यान दें।

74 पौलुस कुछ एलिय्याह की व्यवस्था पर था। एलिय्याह नबी परमेश्वर के आदेश के द्वारा पहाड़ पर चढ़ गया, और स्वर्ग से आग उतारी, और वह गिरी। और उसने जल के लिए के लिए पुकारा और ये आया। और फिर उसे परमेश्वर के संदेश से अधिकार मिला और चार सौ याजक घात कर डाले, उनके सिर काट दिये, और उन्हें पहाड़ से नीचे लुढ़का दिया; और फिर एक—एक स्त्री की धमकी से भागा, एक मामूली ढोंगी स्त्री, या, वह एक विधर्मी थी। इजेबेल, वह छोटी स्त्री जो इस हर घटना का केंद्र थी वही इस सबका कारण थी। ऐसा प्रतीत होता है उसने पहले उसे पा लिया होगा। परन्तु परमेश्वर के पास कार्य को करने की अपनी विधी हैं, और उसके दास केवल उसी के अनुसार कार्य कर सकते हैं यदि वह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार कार्य करता है।

75 मित्रों, क्या आप नहीं देखते, आपको परमेश्वर की योजना के अनुसार ही अपना कार्य करना है। मैंने कितनी बार भाइयों से परामर्श किया है, और कैसे मैं जाना चाहूंगा और उनसे हाथ मिलाकर और कहूंगा, "भाइयों, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता, हम बस भाई बने रहे।" मैं यह कैसे कर सकता हूं और अपने अधिकार को बनाए रख सकता हूं, "वचन प्रचार कर"? ऐसा नहीं करना चाहता।

76 मैं सेवकों के मध्य में खड़ा हुआ, और कहता हूं, "भाई ब्रन्हम, मेरी मौसी यहाँ पर है। मैं जानता हूं कि आप परमेश्वर की ओर से भेजे गए भविष्यवक्ता हैं। जाकर उसकी दृष्टि वापस ले आए।" काश मैं ऐसा कर सकता, तो मैं यह करता। मैं इसे तब तक नहीं कर सकता, जब तक वह

मुझे से करने को नहीं कहता। समझे? कोई यह नहीं कर सकता। एलिय्याह यह नहीं कर सका, कोई भी इसे नहीं कर सका।

77 अब हम पाते हैं कि पौलुस... देमास पौलुस के साथ प्रचार कर रहा था, पौलुस को देखा था कि एक अपाहिज पुरुष वहां पड़ा था, और कहा, "मुझे प्रतीत होता है कि तुझ में चंगा होने का विश्वास है। अपने पैरों पर खड़ा हो! यीशु मसीह तुझे चंगा करता है।" उसे बीमारों को चंगा करते देखा था, और तब भी उसने अपने मित्र थियुफिलुस को बीमारी में छोड़ा।

78 "पौलुस की सेवकाई खत्म हो गयी।" देमास ने यही सोचा होगा। "उसने क्यों नहीं किया, यदि उसके पास चंगाई का वरदान था, वह क्यों वहां तक नहीं गया और उस व्यक्ति को चंगा किया और उसे चंगा करता जो कि उसके साथ ईमानदारी से बना रहा? उसने कहा, 'मैंने उसे वहां बीमार छोड़ा है। और मेरे पास कोट नहीं है, और मैं चाहता हूं कि तू वह कोट अपने साथ लेता आएं। उस ठठेरे से सावधान रहना, उसने नगर में उस सभा को खराब कर दिया। मुझे नगर छोड़ना पड़ा। उसने मुझे कैद खाने में डाल दिया।'" मैं कल्पना करता हूं देमास ने कहा, "यह किस प्रकार के प्रचारक में बदल गया? " समझे?

79 और, भाई, आज संसार में देमास जैसी बहुत सी आत्माये है। वे नहीं जानते कि यह सब ऐसा क्यों है। समझे? उन्हें खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जो भी है वे इसे नही समझ पायेंगे। समझे? समझे? मसीह का एक दास पद चिन्हों पर चलता है।

80 हमारा यहां पर एक डिकन है, मैं नहीं जानता कि वह आज रात्री वह यहां पर है या नहीं, यह टोनी ज़ाबेल है। वह अक्सर यही आसपास होता है। और वह मेरे पास आया और अधिक समय नहीं हुआ, इसके पहले वह यहां आता... यहां आता, उसने कहा—उसने कहा, "मैंने—मैंने एक स्वप्न देखा था, एक विचित्र स्वप्न।" उसने कहा, "मैंने—मैंने सपना देखा कि मैं स्वयं से ऊपर स्वर्ग जाने का मार्ग खोज रहा हूं।" उसने कहा, "मैंने एक मनुष्य को काले वस्त्र पहने आते देखा और वो एक—एक—एक पुस्तक को पढ़ रहा था।" और कहा, "मैं—मैं इस मनुष्य के पास गया, और मैंने उससे पूछा, 'स्वर्ग किस मार्ग से है? ' और उसने कहा, 'जो मुझसे मेरे आगे है उससे पूछो।'" और वह एक—एक कलीसिया का पास्टर था जिसके पास वह गया था।

81 वह थोड़ा आगे बढ़ा और दूसरे व्यक्ति से मिला, उसने काला वस्त्र पहन रखा था और जो गाना गा रहा था, गाते जा रहा था। और वह दूसरा पास्टर था। वे दोनों पास्टर मेरे व्यक्तिगत मित्र है। और उसने कहा... एक भला मनुष्य। और उसने कहा, "'मैं कौन से मार्ग से उस पहाड़ पर पहुंचू?' उसने कहा, 'इधर देखिए।' कहा, 'देखिए, वहां चोटी पर एक साधारण व्यक्ति खड़ा है?' मैंने कहा, 'हां।'" कहा, "वहां वह व्यक्ति एक जोड़े बड़े लबादा पहने, और वह छोटा चरवाहे की टोपी के साथ है।" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।

82 किसी ने कहा, वहां केंटकी में, कहा, मेरे विषय में वहां बातें कर रहा था, कहा, "वह व्यक्ति और कुछ नही केवल प्रचारक लगता है।" एक किसान सा भी दिखाई दे सकता है या कुछ ऐसा ही, परन्तु—परन्तु, आप जानते हैं, यह ऐसा नहीं लगता।

83 और कहा वह मैं था जो वहां खड़ा हुआ था। और वह—वह तब तक चढ़ा जब तक मुझ तक नहीं पहुच गया, और कहा मैंने उसे हाथ से लिया और उसका वहां तक मार्गदर्शन किया जब तक कि मैं पहाड़ की चोटी पर नहीं पहुंच गया। और वहां से निकलने के लिए एक जंगल था। और मैंने कहा, "टोनी, मुझे तुम्हें यहाँ पर छोड़ना है और इसका कुछ भाग तुम्हे स्वयं चलना होगा।"

उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं यहां से आगे क्या कर सकता हूं?"

84 कहा, मैंने कहा, "टोनी, यहां आओ, वहां नीचे देखो। तुम यहां नंगे पांव पदचिन्हों को लहू के साथ देखते हो?" मैंने कहा, "मैंने अब तक इन्ही का अनुकरण किया है। इन्ही पर बने रहे।" केवल यही चीज है जो कि मैं जानता हूं कि मनुष्य को दिखाऊं; ना कि मतसार या किसी प्रकार की उत्तेजना, परन्तु उन लहू लुहान पद चिन्हों को जो बाईबल की ओर मार्गदर्शन करते हैं, यीशु मसीह का लहू।

85 अब, उस मनुष्य को कैसा अनुभव होना चाहिए, एक मनुष्य बहुत से करोड़पति मित्रो के साथ, और एक कोट। एक मनुष्य जो... जिसके पास एक मनुष्य को अंधा करने की शक्ति थी, और एक व्यक्ति को नगर से बाहर भगा दिया। इसके विषय में कभी कुछ नहीं किया, उठा और बाहर चला गया। बीमारों के लिए प्रार्थना की और अपने मित्र को बीमार छोड़ आया। और देमास ने उसे छोड़ दिया। उन सब बाकी लोगो ने उसे छोड़ दिया। उन

सब ने उसे छोड़ दिया। पौलुस ने कहा, "सब लोगों ने मुझे छोड़ दिया।" उनमें से प्रत्येक ने उसे छोड़ दिया।

86 मैं यह कहता हूं। जब एक मनुष्य वचन पर सच्चाई से खड़ा होता है, केवल एक सभा में नही, परन्तु लेकिन हर एक सभा में, जब एक मनुष्य वचन पर सच्चाई से खड़ा होता है, तो समय आएगा वे उसे छोड़ जाएगे। बिल्कुल सही। उन्होंने ठीक यही किया। उन्होंने हमारे प्रभु के साथ यही किया। जब वह सच्चाई के लिए खड़ा होता है वे उसे छोड़ जायेंगे। "सब लोगो ने मुझे छोड़ दिया।" और अब आप क्या सोचते हैं कि देमास और उन में से कुछ लोगों ने सोचा जब हम सब जानते हैं, जो वचन को जानते हैं, कि लूका एक वैद्य था, और पौलुस, जहां कहीं वह गया, इस डॉक्टर को अपने साथ ले गया? और दिव्य चंगाई को प्रचारा, और अपने मित्र को बीमार छोड़ दिया। इतना निर्धन, कि उसके पास एक कोट था। और एक मनुष्य उसे नगर से भगा दे, जब कि वह मनुष्य को अंधा कर सकता था। देखिए, उन्होंने सोचा कि अब उसकी सेवकाई समाप्त हो गयी। परन्तु ये नहीं था! वह ठीक लहूलुहान पद चिन्हों में था। वह उनका अनुकरण कर रहा था। मैं आशा करता हूं आप समझ रहे है। उसने कहा, "सब लोगो ने मुझे छोड़ दिया है।"

87 देमास, वर्तमान संसार से प्रेम कर रहा है, लोकप्रियता का मनुष्य। "हेलो, डॉक्टर देमास। मैं जानता हूं कि आपको अपनी पीएच.डी. मिल गयी है!"

88 ओह, निश्चय ही, वे इसे पसंद करते हैं। यीशु ने कहा, "तुम लोग आराधनालय में कैसे खड़े होना चाहते हो, और 'रब्बी' कहलाना चाहते हो, और आदि–आदि।" कहा, "तुम अधिक दोषी ठहर रहे हो।" समझे?

89 अब, हम जानते हैं जब उन्होंने इस वैद्य को उसका अनुकरण करते देखा, या उसके साथ, और पौलुस ने लुका को लिया, उसने यहां पर कहा—कहा, "केवल लुका—लूका ने ही उसे नहीं छोड़ा। और लूका उसके साथ भला था—था। परन्तु, लुका उसके लिए समृद्ध था। उसे अपनी सेवकाई में लुका की आवश्यकता है।" और यह वैद्य जहां कही यह व्यक्ति जाता है, उसके पीछे–पीछे जाता है, और दिव्य चंगाई प्रचार किया। और वह मनुष्य जो दिव्य चंगाई का प्रचार किया, अपाहिजों को चंगा कर सकता है और मरे हुओं को जिलाता है, और आदि–आदि, और शक्तिशाली

दर्शन देखता है, और ऐसी बाते बोलता है जो घटित होती है, और अपने संगी को बीमार छोड़ देता है। और करोड़ो डॉलर ले सकता था और करोड़ो डॉलर मूल्य के भवन बनाते है, और बड़े विद्यालय और इस प्रकार की बातें, और पास में सिवाये एक कोट के पहनने के लिए कुछ नहीं।

90 देमास ने कहा, "मैं ऐसे व्यक्ति के साथ सम्बन्ध नहीं रखूंगा। वह बस... वह बस निचले दर्जे का व्यक्ति है। मैं नामधारी भाइयों के साथ जाऊंगा। मैं वहां जाऊंगा जहां मैं कुछ तो बन जाऊंगा।" यदि यह ऐसी बात थी, मैं चलना चाहूंगा, और ठीक बैक्सटर के पश्चात जब वह निकल जाता है, देखिए, उस बेचारे व्यक्ति को इस दशा में छोड़ रहा है। वह उसी के पास खड़ा हुआ होगा। पौलुस ही वो एक था जिसने उसकी अगुवाई मसीह तक की। परन्तु, आप देखिए, यह बिना आत्मा को जाने, परमेश्वर की इच्छा को जानते हुए, और फिर परमेश्वर की इच्छा पूरी करेगे। समझे? अब, परन्तु उसने उसे इस दशा में छोड़ दिया। उसे छोड़ दिया! सारे लोगो ने उसे छोड़ दिया।

91 मैं इस विषय में कैसे सोचता हूं! कैसे एक दास जो परमेश्वर के वचन के लिए सच्चा होगा, देर–सवेर, बस स्मरण रखें, लोग उसे छोड़ने वाले हैं। अब हम इस पर कुछ मिनटों के लिए विचार करने जा रहे हैं, और अब मैं आपको अधिक नहीं रोकूंगा, क्योंकि मैं प्रात: आपको यहां चाहता हूं। हमेशा ही जब परमेश्वर का दास वचन के लिए सच्चा होता है, सब उसे छोड़ देते है। और यह... अब, आप बस इसे चाहे जहां कहीं से ले, किसी भी समय बाईबल या इतिहास में, कि जब एक मनुष्य सच्चाई में बना रहता है, कोई मतलब नहीं वह कितना लोकप्रिय था, जब वह वचन के प्रति सच्चा था, समय आता है जब धार्मिक संसार ने उसे छोड़ दिया या उसे निकाल दिया। अब, जरा इसे पढ़ें, यदि आप बाईबल को उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक लेते हैं, और इसे *निसियन सभा* से ले और आगे *निसियन फादर* तक ले, और हर एक व्यक्ति, प्रत्येक संत, प्रत्येक भविष्यवक्ता, परमेश्वर का प्रत्येक सच्चा दास जो वचन के संग बना रहा, वह पुरोहितवाद की चीजो के द्वारा छोड़ दिया गया और निकाल दिया गया था। और पौलुस उन में से एक था।

92 और यदि वहां आज एक होता है, तो फिर वही बात होती। यह बिल्कुल सत्य है। आपको उस स्थान पर पहुँचना है। इसे आना ही है। वे सोचते हैं

कि एक मनुष्य जिसके पास ऐसी सेवकाई है, तो संसार को ठीक उसके हाथ के नीचे होना चाहिए। उसे चाहिए, परन्तु वे इसके नीचे नहीं आएंगे। समझे? और इस प्रकार का मनुष्य वह इस सेवकाई को संसार के नीचे नहीं लायेगा; वह इसे अपने स्वामी के अधीन रखेगा, क्योंकि वह यहां अपना प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा है, वह अपने स्वामी का प्रतिनिधित्व कर रहा है।

93 आप जानते हैं, मनुष्य एक दूसरे से आदर चाहते हैं, और वे एक दूसरे का आदर करते हैं, और ऐसा करने से परमेश्वर का अपमान करते हैं। समझे? हम अपने मध्य में बड़े लोग बनना चाहते हैं, और जब कि हम बड़े और छोटे लोग नहीं हैं, हम सब छोटे लोग हैं। हमारे मध्य में केवल एक बड़ा है, और वह हमारा प्रभु है। समझे? और हम अपनी संस्था को और बड़ी बनाते है परमेश्वर से बड़ी, "*इसकी*, *उसकी* या *किसी* की महान पवित्र कलीसिया, उस महान पवित्र बिशप की," और आदि–आदि। वहां कोई ऐसी चीज नहीं है। यह मनुष्य का सम्मान है। केवल एक ही पवित्र है, और वह परमेश्वर है। और पवित्र आत्मा, जो कि परमेश्वर है, हमारे मध्य में है। यह हम पवित्र नहीं है, यह पवित्र आत्मा है जो हम में है। यह वह नहीं... जब हमने चीजों को होते हुए देखा, वह हम नहीं थे जो कर रहे थे, यह तो पवित्र आत्मा था। यीशु ने कहा, "यह मैं नहीं हूं जो कार्य करता है, यह मेरा पिता है। वह मुझ में वास करता है, और वही वो एक है जो कार्यो को करता है।" और यह वह नहीं है जो—जो कर रहा है। ठीक है। परन्तु हम उनको समय में होते हुए सच्चे दास पाते हैं।

94 अब यहाँ एक चीज है जिस पर कि मैं थोड़ी देर के लिए एक प्रकार से अभ्यास करना चाहता हूं। अब, यह अक्सर ऐसे समय में होता है जैसे कि जब यह मनुष्य वचन के लिए सच्चे बने रहते हैं और सारे मनुष्यो ने उसे छोड़ दिया हैं इतना तक कि परमेश्वर उस व्यक्ति के बचाव ले लिए आता है और उसकी सेवा को मुकुट पहनाता है समझे। यह ठीक बात है। क्या ही सांत्वना है। परमेश्वर के प्रतिज्ञा के वचन में सांत्वना है। कोई मतलब नहीं संसार क्या कहता है, यह संसार क्या करता है, यह हमारी आशाए नहीं है, जो संसार कर रहा है उस पर नहीं बना है।

95 मैं सोचता हूं कि वह गीत बहुत सुंदर है। काश मैं गा सकता होता। मैं हमेशा गाना चाहता हूं। समझे? "वे जो प्रभु पर आशा रखते हैं, वे नई शक्ति पायेंगे, वे उकाबो के समान नये पंख पायेगे, वे दौड़ेंगे और थकित

ना होगे, यदि वे चलेंगे तो श्रमित ना होंगे; प्रभु, मुझे प्रतीक्षा करना सिखा। प्रभु, मुझे सिखा कि अपने घुटनों पर प्रतीक्षा करूं।" मुझे यह पसंद है। "और अपने अच्छे समय में आप कृपा करके उत्तर देगे; मुझे सिखा जो दूसरे करते हैं उस पर भरोसा ना रखूं, परन्तु केवल आपसे उत्तर के लिए प्रार्थना में प्रतीक्षा करूं।" यही है। वही सच्चा दास है जो अपने स्वामी की प्रतीक्षा करता है, यह जानते हुए, कि वचन कभी असफल नहीं हो सकता चाहे जो भी हो। वचन को सत्य होना है। ऐसे समय में, जैसा यह है जब परमेश्वर अक्सर उनकी सहायता के लिए आगे आता है।

96 आइए हम एलिय्याह को देखें जब उसे छोड़ दिया गया था। क्यों? क्योंकि वह वचन के साथ सच्चा बना रहा। उसने कहा, "सब लोगो ने मुझे छोड़ दिया है।" और वह समाज से निकाला गया, संस्था से निकाला गया, यहां तक कि राष्ट्रीय संस्था, याने इस्राईल की राष्ट्रीय कलिसिया से, याजको और उन सब ने उसे बाहर निकाल दिया, और उसके पास पौलुस जैसा कोट भी नहीं था, परन्तु एक भेड़ की खाल का टुकड़ा या चमड़ा चारों ओर लपेट रखा था, और ऊपर पहाड़ पर बैठा हुआ और चिडियों द्वारा भोजन खा रहा था। जी हां, श्रीमान। क्यों? परमेश्वर के वचन के कारण, क्योंकि वह **यहोवा यों कहता है**, इसके प्रति सच्चा था। अब वे सब आधुनिक हो गए। राष्ट्र की पहली महिला, ईजाबेल सारे फैशन करती थी और बाहर की चीजे। और याजक लोग इसमें सहमत थे और आदि–आदि, और सारे प्रचारक और आदि–आदि, वे इसमें सहमत थे। परन्तु एलिय्याह नहीं, वह उस वचन के साथ स्थिर रहा। और ऐसी बात के लिए वह छोड़ दिया गया, जब तक वह ना चिल्लाया, "प्रभु, केवल मैं ही बचा हूं, और वे मेरा प्राण भी लेना चाहते हैं।"

97 परन्तु परमेश्वर ने उसको थोड़ी शान्ती दी, कहा, "मेरे पास अब भी वहां सात हजार हैं।"

98 देखिए, मैं विश्वास नहीं करता कि एलिय्याह इस विषय में फूल गया था, कि केवल वही एक है, परन्तु मैं सोचता हूं वह इस प्रकार से छोड़ दिया गया था। हर बार वह सभा करने के लिए याजको के पास जाता, और वे उसे वापस कर देते। वह यहाँ जायेगा, "यहाँ से चला जा, तू कट्टर धर्मी! यहाँ से निकल जा! जाकर *यह* कर!" यह दर्शाया जब एलीशा उसका उत्तराधिकारी आया। तो, उन्होंने क्या किया? यहां तक उन्होंने... वह नौजवान गंजा था,

और उन लोगो ने अपने बालको को उसका उपहास उड़ाने को भेजा "नीम हकीम।" कहा कि इन दोनों को नीम हकीम समझा, कहा, "बूढे गंजे! गंजे, तू क्यों नही ऊपर चला गया जैसे एलिय्याह गया? " उन्होंने विश्वास नहीं किया कि वह ऊपर चला गया। उह–हुंह। समझे? उन्होंने बस इतना सोचा कि वह नीम हकीमों का झुंड था। परन्तु वे वचन के प्रति सच्चे थे, प्रमाणित सेवकाई के साथ। एलिय्याह खड़ा हुआ। ठीक है।

99 दानिय्येल ने सच्चा पक्ष लिया। आप जानते हैं कि मैंने कहां दानिय्येल 12 से पाया या दानिय्येल 9 में ये है, मैं विश्वास करता हूं कि यही है। जब आप... दानिय्येल ने वचन का सच्चा पक्ष लिया। उसको क्या हुआ? जब वह राजा का दाहिना हाथ था, परन्तु उसने वचन का सच्चा पक्ष लिया, और वह निकाला गया और सिंहो की मांद में फेंका गया था। परमेश्वर का एक जन वचन पर सच्चाई से खड़ा है!

100 इब्रानी बालक वचन पर सच्चे बने रहे, राजा की घोषणा में कि "जो कोई भी मूरत के सामने नहीं झुकेगा जब सारंगी और तुरही बजायी जाये, और आदि–आदि, जो कोई भी इस मूरत के आगे नहीं झुकेगा, वह आग की भट्टी में फेका जाएगा," और उन्होंने मूरत की ओर अपनी पीठ फेर ली। और फिर से... वे, मतलब नही कि वे कितने बदनाम हो गए, चाहे वे कैसे भी निकाले गए वे समाज से निकाले जायेगे, वे वचन के प्रति सच्चे बने रहे। मैं यह पसंद करता हूं।

101 याकूब, दूसरा। उसके पास... बहुत लंबे समय से घर से अलग था, और उसे घर से बुलाहट आयी कि जाकर अपने लोगो को देखे। और वह अपने मार्ग पर था, अपनी बुलाहट पर सच्चा, अपनी अगुवाई पर सच्चा। उसके पास वहां अच्छी वस्तुये थी, परन्तु घर जाने के लिए परमेश्वर ने उसके साथ व्यवहार करना आरंभ किया। और, अपने घर के मार्ग पर, दो तंग स्थानों के बीच में आ गया। उसकी पत्नी और बालक इस ओर; और उसका इर्षा करने वाला भाई, एसाव, सेना लेकर उससे मिलने आ रहा था। और वहां पुनएल पर वह छोटे से सोते के पास खड़ा था, और वहां वह खड़ा हुआ। और क्या ही दशा थी! ऐसाव, उससे इर्षा कर रहा है, उससे मिलने के लिए सेना साथ लेकर आ रहा है, और यहां उसकी पत्नी थी, दो पत्नियां और उसके सारे बालक सोते के इस पार थे, और वह बड़े तंग स्थान में था। क्यों? क्योंकि उसे अपने देश में होना चाहिए, तो यह सब

ठीक होता। परन्तु उसको बुलाहट थी, परमेश्वर के वचन ने उसे उसके देश में बुलाया। हाल्लेलुय्या! परमेश्वर एक मनुष्य को आशीष देता है। उसके पास भी अवसर है। जी हां, श्रीमान।

102 यीशु, पिता के वचन के लिए सच्चा था, "मैं केवल वही करता हूं जो पिता कहता है। यह लिखा है कि, 'मनुष्य केवल रोटी ही से जीवित नहीं रहता, परन्तु हर वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।'"

यीशु, सदा वचन के लिए सच्चा, एक समय आया उसके जितने मित्र थे वे चले गए। उनमें से प्रत्येक ने उसे छोड़ दिया और चले गये। सारे के सारे। और लोगों ने उसे देख कर उसका उपहास बनाया, हंसे, उसमें विश्वास ना रहा। "कैसे वह व्यक्ति जो कब्र में पड़े हुए व्यक्ति से बोल सकता और उसे जिला सकता है, कैसे एक मनुष्य जो मरकुस को घटना पहले से बता सकता था और कभी भी... कभी असफल नहीं हुआ; और कचहरी में अपनी दाढ़ी उखड़ने से लहू लुहान चेहरे के साथ बैठा, और पीए हुए सिपाहियों की थूक जो उसके चेहरे से नीचे जा रही थी, उसके मुंह पर कपड़ा बंधा हुआ, और छड़ी से उसके सिर पर मारते, और कह रहे थे, 'भविष्यवाणी करके बता कि किसने तुझे मारा, और हम विश्वास करेंगे'? " तो, चेले चले गए थे, कहा, "आह!"

103 देखिए, वे बहुत जल्दी भूल गए कि परमेश्वर ने क्या किया! मूसा ने लाल सागर पर कैसे कहा, जब उसने वहां खड़े होकर कहा, "परमेश्वर ने दस विचित्र आश्चर्यकर्म किए, और तुम अब भी इतने अपराधी हो कि तुम नहीं जानते कि वह अब भी परमेश्वर है? " वह वहां गया और राष्ट्र पर वार किया, उसने—उसने राष्ट्रों को श्रापित किया। वह मेंढक, कुटकियां, मक्खियाँ, सब कुछ ले आया, और एक—एक धमाका जिसने सब पहलौठो को मार डाला, और मृत्यु का दूत राष्ट्र में से होकर निकला, और फिर भी वे लोग लाल सागर पर उसका अनुकरण नही करना चाहते। कितनी जल्दी, जैसे ही आपकी लोकप्रियता... जब उन्होंने लाखो भालो की चमक को मनुष्यों के साथ इस प्रकार से आते देखा, या सम्भव है, जी हाँ, सम्भव है लाखों मनुष्य आ रहे हों, या रथों की गडगडाहट और धूल उड़ रही है, वे परास्त हो गए और पीछे गिर पड़े, "और, मूसा, हमें तो वही मर जाना चाहिए था।" समझे? और परमेश्वर ने कहा उन्हें अविश्वास के कारण जंगल में ही मर जाने दो। "मूसा, तेरी सेवकाई समाप्त हो गयी, ऐसा ही है। अब तुझ में कुछ

नहीं बचा।" देखिए, वे नहीं समझते। वे नही इसे नहीं पाते।

104 और अब वही चीज थी जब यीशु, वह युवा रब्बी या गुरु, या गलील का भविष्यवक्ता, जब वह यह सारे आश्चर्यकर्मों और चीजों कर रहा था, "वह कैसे खड़ा रह सकता है और इस प्रकार की चीजे पहन सकता था? वह कैसे एक मनुष्य को स्वयं से जंजीर से बांधने दे सकता है, जब की वह कब्र की मोहर को तोड़ सकता है और मृत मनुष्य को अनंतता में से जिला सकता है? वह यह कैसे कर सकता है, जब वह मुरझाये मृत लड़के से बोल सकता है? और फिर जीवित रहने के लिए जीवित कर देता है; और लाजर, मर कर कब्र में सड़ गया, और उसे बाहर ले आया? कैसे वह खडे होकर और कहता है, 'पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं। जो मुझ में विश्वास करता है, यदपि वह मर भी जाये तौभी वह जीवित रहेगा। जो कोई जीता और मुझ में विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा।' और खड़ा हुआ और बन्धनों से बन्धा हुआ और चेहरे पर थूका हुआ, और अपना मुंह नही खोलता? " चेले, "उसने अपनी सेवकाई खो दी।" हां, इसी प्रकार से यह चलता है। परमेश्वर, यह बेचारा संसार!

105 यहां तक कि उसकी कलीसिया, वे बारह जिनको उसने आनन्दित किया था और उन्हें सब कुछ बताया, और उनसे प्रेम किया, उन्होंने उसकी ओर पीठ फेर ली। केवल एक ही उसके साथ खड़ा था, वह मनुष्य यूहन्ना था। ठीक उस घडी में जब सब कुछ चला गया, और सारी आशाये जाती रही, वहां वह बंधा हुआ, और वहां ले गए उपहास उड़ाया और थूका, और उसकी पीठ पर रखा... ना जानते हुए कि वे वचनो को पूरा कर रहे है।

106 अच्छा, क्या आप नहीं जानते कि जो बातें आज पूरी हो रही हैं, वचन को शब्द–शब्द पूरा कर रही हैं? क्यों लोग वे यह बाते कहते हैं? क्यों यह नामधारी क्रोध में हैं? वे क्यों यह करते हैं? यह इसमें लिखा है वे इस वचन को करेंगे। वे सीधे उसमें गए और स्वयं करते हैं, अंधे है और नहीं जानते कि वे इसे कर रहे हैं। आप सोचते हैं कि यहूदा जान गया था कि वह यहूदा का भूमिका निभा रहा है? आप सोचते हैं कि फिरौन जान गया था कि वह एक भाग कर रहा है, और परमेश्वर ने उसे इसी उद्देश्य के लिए उठाया था? आप सोचते हैं कि ऐसाव वह करता जो उसने किया? निश्चय ही नहीं। कहा कि, "उनके आंखें हैं और वे देख नहीं सकते, कान और वे सुन नहीं सकते।" परन्तु वचन पर ध्यान करे, यह खुल रहा है। समझे? हम अंत के

समय में हैं, यह इसी प्रकार से होना है।

107 अब, उसकी कलीसिया ने उसे छोड़ दिया। सारे मनुष्य और प्रकृति ने उसे छोड़ दिया। किसी छोड़े हुए व्यक्ति के विषय में बात करें, पौलुस जो उसके पास था उसे नही छोड़ रहा था। यहां तक वही सृष्टी जिसको उसने रचा, उसे छोड़ दिया। चांद और सितारे और सूर्य, और हर एक चीज ने छोड़ दिया। मनुष्य, परमेश्वर, प्रकृति और हर चीज ने उसे छोड़ दिया, वहां कोई भी नहीं खड़ा था, वह अकेला मरा। क्या उसने अपनी सेवकाई खो दी? वह अपनी सेवकाई पूरी कर रहा था, उसे खो नही रहा था। यह इसके साथ चलता है। यही बात है जो घटित होती है। इसे इसके साथ चलना है।

108 अब, सब चीजो ने उसे छोड़ दिया। परन्तु यह इस समय पर था कि परमेश्वर दृश्य में प्रगट होता है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति जो वचन जानता है, वचन के साथ स्थिर रहेगा, यह जानते हुए कि परमेश्वर वचन है। समझे? और वचन ने स्वयं में प्रकट होना है। असफल ना होने वाला वचन स्वयं प्रकट होना ही है। क्योंकि परमेश्वर वचन है इसे ऐसा ही होना है। और यदि यह सारे युगों में होते हुए कार्य करता, तो यही ठीक उसी प्रकार से अब भी करेगा, क्योंकि यह परमेश्वर है। यह इसे कभी नही भूलें। क्योंकि यीशु जान गया कि वह वचन की पूर्णता होने के नाते, वह केवल एक नबी ही नहीं था, वह स्वयं परमेश्वर था। वह वचन था। यही कारण है कि केवल उसे मनुष्य ही ने नही छोड़ा, परन्तु प्रकृति ने भी उसे छोड़ दिया। सारी प्रकृति ने उसे छोड़ दिया, हर चीज, सितारे, चांद, और कोई उजियाला नहीं जब वह मरा। हर चीज ने उसे छोड़ दिया, देखो, क्योंकि वह सारी वस्तुओं का सृष्टीकर्ता था। "वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा था, और संसार ने उसे नहीं जाना।" समझे? वह सारी चीजों का सृष्टी करने वाला था। सारी चीजो का! अब, केवल एक चीज, जिसकी हम... हम सृष्टी नहीं करते, परन्तु हम मत परिवर्तन का यत्न करते हैं, और वे जिनका हम मतपरिवर्तन करना चाहते हैं, वही हैं जिसने छोड़ दिया और चले गए। समझे? जब वचन का समय आता है कि वह अपने वास्तविक प्रगटीकरण में आये, तो इसे वैसा ही होना है। अब, बस स्मरण रखें, कि तब ही परमेश्वर दृश्य में आ गया।

109 और हमारे प्रभु यीशु के जीवन में, सामर्थी कार्य जो उसने अपने जीवन के पहले डेढ़ वर्ष में किए, ओह, वह कैसा सामर्थी मनुष्य था! पृथ्वी पर

उसके समान कभी भी कुछ नहीं था, पहले कभी नहीं हुआ, ना ही बाद में होगा। परन्तु क्या घटित हुआ? किसी और से अधिक उसका उपहास उड़ाया गया, वे सब मिल कर एक हो गए। प्रकृति और सृष्टी के द्वारा उपहास उड़ाया गया, और हर चीज के द्वारा उपहास उड़ाया गया, क्योंकि वह भ्रष्ट स्थिति में था। यही कारण है कि मनुष्य का ह्रदय परमेश्वर के सच्चे दास का उपहास उड़ाया, क्योंकि ये दूषित है। प्रकृति दूषित है, यही कारण है।

110 यदि प्रकृति ऐसी सुंदर है जैसी कि वह है, वह भ्रष्ट हुई है, तब क्या होगा जब यह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार वह वापस बदलेगी? यदि एक राष्ट्र अंगूर उगा सकता हैं जो दो मनुष्य अपनी पीठ पर लाद कर, तो वह क्या होगा, और वह दूषित किया हुआ देश, तब क्या होगा जब यह बदल कर परमेश्वर के पास वापस आएगी? मसीह आता है, रेगिस्तान गुलाब के समान खिलेगा। यह एक परिवर्तन होगा। और सूखे स्थान जल से भर जायेंगे, और पृथ्वी खिलेगी और फूलेगी। ओह, वह एक समय होगा, और जब मनुष्य के ह्रदय भक्त मनुष्यो में बदलेगा, यह अब उनके चुनाव करने पर हैं, उस स्थान में जीयेंगे। आमीन।

111 "उस अन्धकार की घड़ी में, फटती हुई चट्टानो के मध्य में और अंधकार भरे आकाश," कवि ने कहा, "मेरे बचाने वाले ने अपना सिर झुकाया और मर गया; खुलते हुए पर्दे ने स्वर्गीय आनंद का मार्ग दिखाया और समाप्त ना होने वाला दिन।" हमारे लिए मार्ग बनाने के लिए उसे यह करना ही था। यह ठीक बात है। परन्तु परमेश्वर ने क्या किया? वह वचन के प्रति सच्चा था और उसने क्रूस का आलिंगन किया। परन्तु क्या यह उसकी सेवकाई का अंत था? क्या उसकी सेवकाई समाप्त हो गयी थी? परमेश्वर ने उसे सबसे महान मुकुट पहनाया जो कि कभी नही पहनाया जा सकता था। उसने यह ईस्टर की प्रात:, पुनरुत्थान पर पहनाया। उसने हमारे प्रभु यीशु की सेवकाई को मुकुट पहनाया, वह मृतको में से जी उठा और सदा के लिए जीवित है। वह छोड़ा नहीं गया था क्योंकि सब मनुष्यों ने उसे छोड़ दिया, उसे मुकुट पहनाया गया! जी हां, श्रीमान। जी हां, श्रीमान। उसे ताज पहनाया गया था क्योंकि वह था, छोड़ दिया गया था, और उसे यह करना था जब वह मृतको में से जी उठा।

112 यही एलिय्याह के साथ था। कुछ क्षणों पहले हमने उसके विषय में बात की है। एलिय्याह, वह बेचारा पस्त हाल नबी वहां जंगल में पड़ा हुआ है,

और जो भी चिडियां उसके लिए लायेगी वही खाना है। और उसकी छोटी बूढी दुबली पतली देह, जो भूरी दिखती थी छोटी कुप्पी में तेल उसके एक ओर लटक रहा था, उसकी दाढ़ी बिखरी हुई, और सम्भवत: गंजा सिर और सूर्य की गर्मी से झुलसा हुआ, और छड़ी के साथ धीरे–धीरे चलता हुआ *इस* प्रकार से, परन्तु अन्दर उस छोटे से धडकते हृदय में परमेश्वर का आत्मा। जब परमेश्वर ने अपने बूढ़े थके हुए दास को अंत के समीप आते देखा, हर किसी ने उसे छोड़ दिया, और बाकी सब कुछ, क्या वह उसे नीचा होने देगा? उसने नीचे एक रथ भेजा, और अपने थके हुए दास को उठा लिया, "आपको तो जैसे हनोक चला वैसे भी नहीं चलना है, मैं तुझे रथ में घर ले जाऊंगा।" यह ठीक बात है। उसने उसकी सेवकाई को कि रथ मैं बैठ कर घर जाये इससे सुशोभित किया। आप यह जानते है यह कोई इतना बुरा नहीं है। जी हां। जी हाँ, उसे घर के लिए पैदल नहीं चलना था, बस उसने एक रथ भेजा और उसे उठा लिया क्योंकि वह थका हुआ था। मैं इसे पसंद करता हूं। आमीन। बेचारा, छोटा, बूढ़ा थका हुआ दास, उसने उसे उठाया और उसे घर ले गया।

113 यह उस समय जब दानिय्येल परमेश्वर के लिए ईमानदार रहा, कि वह भीतर गया... उन्होंने कहा, "आप जानते हो, वह व्यक्ति एक समय इस राज्य में महान था। उसने सब प्रकार की बातें बताई। और वह भविष्य बताने वालो को भीतर लाया, उसने उन्हें चीजे सिखाई।" और मादी–फारसी और कैसे उसने किया। परन्तु दारा के राज्य में, यह दानिय्येल था जो परमेश्वर के प्रति सच्चा था। यह दानिय्येल था जो परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा और किसी और चीज के साथ नहीं मिलेगा। और उसने कहा कि, "तो ठीक है, उसकी सेवकाई खत्म हो गयी, क्योंकि मैंने स्थानीय अखबार में देखा है, कुछ ही दिनों में उसे सिंहो के मांद में फेंक दिया जाएगा।" संघ की कैद में जा रहे है, या कुछ, आप देखते हैं। "परन्तु हम उसे सिंहो की मांद में फेंकने जा रहे हैं।" परन्तु परमेश्वर ने क्या किया? परमेश्वर ने राजा के हृदय को बदल कर उसकी सेवकाई पर मोहर दी, दारा ने संसार की हर भाषा में कहलवा कर भेजा, कि हर एक व्यक्ति दानिय्येल के परमेश्वर का भय माने, क्योंकि वही परमेश्वर है जो छुड़ा सकता है। आमीन।

114 इसलिए, आप देखिए, यह उस समय है जब मनुष्य व्यक्ति को छोड़ देते है, परमेश्वर के दासो को जो वचन के प्रति सच्चे हैं, ताकी परमेश्वर उनकी सेवकाई को समय के मुकुट से मोहर बंद करता है।

115 जी हाँ, यह इब्रानी बालक नबूकदनेस्सर के राज्य में थे, जब कि वे मूरत के सामने नहीं झुकते है। वे परमेश्वर के प्रति सच्चाई से स्थिर रहे क्योंकि परमेश्वर के वचन ने कहा, "किसी भी मूरत के सामने उसकी आराधना के लिए ना झुकना।" वे वचन के लिए सच्चे थे। और यह आसपास के अखबार में खबर थी, इस सब के विषय में, उन दिनों में जो भी था। उनके पास खबर फैलाने के लिए विधियां थी। ना कि आसपास के अखबार, नि:सन्देह, बस इसलिए कहा कि आप कुछ अनुमान लगा लेंगे। परन्तु ये बात वहां ऐसी थी कि वे सात गुना दहकी हुई भट्टी में जलने जा रहे है। उन दिनों के पहले, उन्होंने सारा सामग्री को उसे दहकाने के लिए इसमें फेंक दिया कि वह बहुत ही गर्म हो जाए जिससे कि ये सात गुना अधिक गर्म हो गयी थी, सात गुना अधिक गर्म। क्यों, वह सौ गज दूर से ही उन्हें भस्म कर देगी। परन्तु वे सीधे आग की भट्टी में गए, और वे बिना किसी आग की बदबू के बाहर आ गए। और नबूकदनेस्सर ने कहा, "कोई भी व्यक्ति जो इस परमेश्वर की आराधना नही करेगा, तो वह और उसके बालक जला दिये जायेंगे उसका घर जला कर मलबे का ढेर कर दिया जाएगा।" यह ठीक बात है। देखा? वह... समस्त संसार में वे बेदारी कर रहे थे क्योंकि वे वचन के प्रति सच्चे थे। यही जो घटित हुआ। जी हां, श्रीमान। वचन के प्रति सच्चे रहे, जी हाँ, और यह सदा आश्चर्यजनक भुगतान करता है।

116 याकूब, हमने थोड़ी देर पहले उल्लेख किया। मैंने उसका नाम यहां लिखकर रखा हुआ है। यहाँ वह था, एक छोटा डरपोक, परन्तु वह स्थिर था। वह वहां एसाव से डर रहा था। ओह, ओह! और वह जान गया कि वह परमेश्वर से दूर है। इन सारे वर्षों में परमेश्वर से दूर, परंतु उसने सदा वचन के प्रति सच्चा रहने का यत्न किया। और यहां परमेश्वर ने उसे बुलाया और कहा कि तू अपने घर जा। यहाँ वह ठीक अपने कर्तव्य पर है, और वहाँ ऐसाव अपनी सेना के साथ है। यह उस समय था जब उसका *याकूब* नाम बदला गया, "धोखेबाज, धूर्त," याकूब को... "परमेश्वर के सन्मुख एक राजकुमार," जब वह अगली प्रात: चलकर बाहर आया, उसकी सेवकाई मुकुट के साथ थी। सीधा गया और ऐसाव से मिला, और उससे कोई सहायता ना चाही। आमीन। वचन के प्रति सच्चा। परमेश्वर इसी प्रकार से चीजों को करता है, क्या ऐसा नहीं है? वह—वह चीजों को अपनी तरह से करता है। ठीक है।

117 मेरे बहुत से भाई लोग, आज वे अपने नामधारी भाइयों के मध्य में बहुत

लोकप्रिय हैं। लड़के बस तुम एक नाम बोलो, और यह कही भी बस आग के समान है, यह ठीक बात है, आप कहते है इस व्यक्ति का यह निश्चित नाम लेते है। और, कुल मिलाकर, उस दिन जब प्रभु मुझसे उस नदी पर बोला, इसने समस्त संसार में बेदारी फैला दी, वहां से हर वह महान सुसमाचारक प्रचारक आया।

118 वे अपने भाइयों के साथ, देखो, उन्ही नामधारियो में वापस चले गए, जिनमें से वे आये थे। वे यहां बाहर आये और सभाये की नामधारियो में मिले, और वे फिर से उन में वापस चले गए। उन्हें बहुत ही सहयोग मिला, रेडियो अखबार में बड़ा नाम, और सब कुछ। हर कोई उनसे अच्छी तरह बोला।

119 परन्तु सब लोगों ने मुझे छोड़ दिया क्योंकि मैंने सच्चा वचन लिया, और उस वचन के पक्ष में खड़ा हुआ। जो उसने मुझसे कहा, मैं ठीक उसी के साथ स्थिर रहा, वचन प्रचार कर, ना कि नामधारी की विचारधारा। "वचन प्रचार करना," मेरा प्राधिकार था, "वचन के साथ स्थिर रह।" और, भाइयों, जो इस टेप को सुन रहा हैं, जब मैं आपके बीच में आया महान व्यक्ति था, बीमारों को चंगा कर रहा था, दर्शनो की बात कर रहा था और चीजे दिखा रहा था। परन्तु जब मैंने वचन की सच्चाई को बताना आरम्भ किया इसके लिए आपने अपनी पीठ क्यों फेर ली? क्या आप अनुभव करते हैं यह जो वचन ने कहा वह पूरा हो रहा है? जी हाँ, यह इसी प्रकार होता है। अब उस स्थान पर कठिनता से पहुंच सकता हूं।

120 सारे समय पत्र आते है। उस दिन एक आया, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मेरा आप में अटूट विश्वास था, परन्तु मैं सुनता हूं कि आपने कहा वह नामधारी कलीसिया जिसका मैं हूं पिछड गयी थी।" कहा, "अब से लेके, मेरा विश्वास आप में बिल्कुल भी नहीं है।" कहा, "मेरे संप्रदाय के लगभग पच्चीस भाई लोग आपकी सभा में बैठे थे," कहा, "परन्तु जब आप ने यह कहा तो हम सीधे खड़े होकर और निकल गए।"

121 सब ने मुझे छोड़ दिया परन्तु एक बात है, वह मेरे संग खड़ा है!... ? ... मैं नहीं हूं, मैंने स्वर्गीय दर्शन के प्रति आज्ञाकारी नहीं था जो वहां नदी पर घटित हुआ। मैं उसके प्रति सच्चा बना रहा। वह मेरे प्रति सच्चा रहा है। मैं विश्वास कर रहा हूं, किसी दिन, मैं नहीं जानता कब, मेरी सेवकाई को ताज पहनाएगा। मैं जितना हो सकता है सच्चा बना रहूंगा। मैं नहीं जानता

क्या होगा। मैं नहीं जानता यह कब होगा। और मैं, परन्तु जब वह तैयार है, तो मैं भी। मैं परवाह नहीं करता। मैं आशा करता हूं कि वह मेरी सेवकाई को इससे मुकुट पहनायेगा, कि मैं उसके वचन के वस्त्र को लू, और उसकी दुल्हन को वचन का वस्त्र पहनाऊं, और उसकी धार्मिकता के लिए। मैं आशा करता हूं कि वह मुझे ताज पहनायेगा, और उस दिन मुझे खड़ा होने देगा, और कहूं, "देखो परमेश्वर का मेम्ना जो संसार के पाप को उठा ले गया।"

122 ऊपर चढ़ने के लिए बहुत सी पहाड़ियां हैं, परिश्रम, कभी–कभी यह कठिन होता है; परन्तु वह जो मार्ग दर्शन करता है, जानता है कि सबसे अच्छा क्या है। वह जानता है सबसे अच्छा क्या है। "जब हम मार्ग के अन्त में पहुंच जाते है, तो मार्ग की थकान कुछ नही लगती।" हम लहूलुहान पद चिन्हो को खोजे। मित्रो याद रखें, मित्रों, "गलील के किनारे की रेत उसके पद चिन्हों से धुली है; और वह आवाज जिसने भयानक लहरों को वश में कर लिया था, यहूदा में फिर ना सुनाई पड़ेगी। लेकिन उस अकेले गलीली की राह पर, मैं आज आनन्द से चलूंगा; और मार्ग की कठनाईयां जब मैं राह के अंत पर पहुंचूगा कुछ भी न लगेगी।"

123 वचन के इस पहले भाग में जो मैंने पढ़ा, जो उसने मुझे दिया, मैं एक युवा व्यक्ति था, बस एक लड़का, वहां खड़ा हुआ, सीधे कंधे, निकली हुई छाती, लहरीदार, काले बाल। और अब मैं झुके कंधो के साथ खड़ा हूं, गंजा सिर, सफेद, 53 वर्ष का बूढ़ा व्यक्ति। परन्तु जैसे–जैसे दिन बीतते है वो मीठा होता जाता है। और मैंने यीशु मसीह का पूरा सुसमाचार बिन छिपाये सुनाया है। और मेरी हृदय की इच्छा है कि मैं उस कलीसिया से मिलूं जिसके लिए वह मरा है, उसकी खुद की धार्मिकता के ढकी हुई, उसके वचन को पहने और उसके वचन की धार्मिकता, क्योंकि उसका वचन कभी भी असफल नहीं हो सकता। और इसलिए, मैं जानता हूं यदि मैं उसके वचन के साथ खड़ा होऊंगा और वचन के प्रति सच्चा रहूंगा, और वचन मुझ में बना रहे और मैं उसमें, उस दिन मैं आनन्दित होऊंगा कि मैं सच्चा बना रहा।

124 मैं नहीं जानता कि भविष्य में क्या है, परन्तु देखिए हम कहां हैं, क्या आप नहीं? आप देखिये क्यों हर कोई कह रहा है, यहाँ तक कि मेरे ही कुछ साथी, कहा, "क्यों, भाई ब्रन्हम सब समाप्त हो गया।" समझे? जी

हां। "सब धुल गया।" समझे? "आह, हमें अधिक सुनने में नही आता हैं कि बहुत कुछ हुआ है।" देखा? हम... वे बस इसे नहीं समझते, बस, वे इसे नहीं समझते। समझे?

125 मैं सोचता हूं जो महानतम बात पौलुस ने चाही, जब उसने कहा, "अब मेरा समय पूरा हुआ," पौलुस की सबसे बड़ी इच्छा यह थी कि वह शहीद हो। उन दिनों में उन सब के ह्रदयों की यही इच्छा थी। यदि वे... क्या आपने कभी *फॉक्स की पुस्तक शहीदों* की पढ़ी है, और *निसियन परिषद* भी पढ़ी? महानतम सम्मान जो हो सकता था, जब विभिन्न लोग (और पॉलीकार्प और वे) सिंहों की मांद में चले गए, वे आनंद से चिल्लाए। चलकर वहां गये यह जानते हुए कि वे शहीद होने जा रहे है। जब वे जीवित जलाए गए, वे आनन्द से चिल्लाए कि उन्हें शहीद सम्मान मिला। जब पौलुस सिर कटवाने के स्थान पर पहुंचा, ताकि उसका सिर काटा जाए, छोटी पुरानी गंदी जेल से अगुवाही की, जब उसे ले गए, दीवार में एक छेद, जहां उन्होंने उसे रखा था। मैं वहां गया और इसे देखा। वहां पीछे एक सकरी खाड़ी थी जहां वे उसकी देह को घम से फेंक देंगे। और अब उसे संत बनाना चाहते हैं या कुछ और। उसी झुंड के लोग! वहां वह चलकर गया। उसने कहा, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहां है? कब्र, तेरी जय कहां है? परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो प्रभु यीशु मसीह में से होते हुए हमे जय प्रदान करता है। मैंने एक अच्छी लड़ाई लड़ी है। मैंने अपनी दौड़ पूरी की है। मैंने विश्वास को बनाये रखा है। वहां मेरे लिए एक मुकुट रखा है, और केवल मेरे लिए ही नहीं, परन्तु उन सब के लिए जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं।"

126 हम अब छठवे पद पर से, 18वे पर आ गए है। मैं नहीं जानता कि मैं मेरे लिए क्या पढ़ूंगा, परन्तु मैं केवल उसी का उल्लेख कर रहा हूं जो यह दूसरों के लिए पढ़ा जाता है। और मैं निरन्तर इस वचन पर सच्चाई से स्थिर रहूंगा जब तक वह समाप्त ना हो जाए। यही जहां आज सेवकाई है। मैं छोड़ा नहीं गया हूं। मैं आशा करता हूं कि मैं अलग नही किया गया हूं। यह ठीक बात है। यह सही है। अब आईए हम अपने सिरों को झुकाये जबकि हम प्रार्थना करते हैं... ? ...

127 आज रात्री सिहांसन से एक रस्सी नीचे लटक रही है, यह जीवन रेखा कहलाई है। जबकी मैं प्रार्थना कर रहा हूं, मैं आशा करता हूं यह हर बिना मन फिराव वाले व्यक्ति द्वारा अपने में खींचा गया है। पापी मित्रो, क्या आप

बढ़ कर और इसे नही पकड़ेगे? आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आपने कहा आप बूढ़े हो रहे है, और मैं समझता हूं कि यही कारण है कि आप... " नहीं, भाई, बहनों। जब मैं एक छोटा लड़का था, मैंने यह विश्वास किया। मैंने इसके लिए अपना जीवन दे दिया। और मुझे एक ही बात का खेद है, कि देने के लिए मेरे पास केवल एक ही जीवन है। यदि मेरे पास दस हजार जीवन होते तो मैं वह सब इसके लिए देता हूं। जी हां।

128 क्या आप इस रेखा को जो आज रात्री आपके मार्ग से निकल रही है नही पकड़ेगे? आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मैं इसे पकड़ने के योग्य नहीं हूं।" मैं जानता हूं कि आप बालक नहीं है। परन्तु आप जाकर कुछ योग्य होने के लिए कार्य करे, और मुझे बताये कि आपने क्या किया, मैं भी यह करना चाहता हूं। ऐसी कोई चीज नही है जिसके आप योग्य हो सके। आप अयोग्य जन्मे थे। केवल एक ही चीज है जो आप कर सकते हैं, केवल उसी मार्ग को पकड ले जो आपके लिए बनाया गया है। आप डूब रहे है, इसमें न डूबे। परमेश्वर का दिया जीवन मार्ग, आइए—आइये हम बढ़े और आज रात्री इसे ले ले।

129 हमारे स्वर्गीय पिता, मुझे स्मरण है कि ठीक यही इसी मेज पर, इसी स्थान पर जहाँ मैं उस प्रात: बोला था, कि जब मैंने इसी भूमी पर आराधनालय का समर्पण किया था। और वह कोने का पत्थर वहां रखा था, और बाईबल का एक पर्चा पकड़े हुए था जिसे मैंने लिखा था। मैंने कहा, "प्रभु यीशु, तेरे अनुग्रह से मैं वचन पर स्थिर रहूंगा।" और अब मैं देखता हूं इस ने ठीक वही उत्पन्न किया जो इसने दूसरे समयो में किया। और यहां मैं आज रात्री इस आराधनालय में हूं, संसार की यात्रा करने के बाद, फिर से वापस, और छोटा कोने का पत्थर अब भी वही रखा है और कागज उसी में है। प्रभु परमेश्वर मुझे जांच, मैंने बहुत सी गलतियां की है। मैंने प्रभु गलतियां की है बहुत सी बार। मैंने—मैंने आपको असफल किया है। बहुत सी बार मैंने आपको असफल किया है, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले एक असफलता के विषय में गवाही दी थी। परमेश्वर, जल्द ही जैसा कि मैं—मैं, यह करता हूं, मैं—मैं—मैं क्षमा चाहता हूं। अपने ह्रदय में मैं आपसे प्रेम करता हूं। और मैं—मैं जानता हूं कि आपने मुझे हाल ही में मुझे उस स्थान को दिखाया, जहां हम जा रहे हैं। और मैं नहीं जानता कि कब, अब आप मुझे साथ ले जा रहे है, प्रभु। मैं—मैं आज रात्री, आपके अनुग्रह से मैं... यहां पर हूं। और मैं—मैं नहीं जानता कि आप कब निकल जाते हैं, पर

मैं जानता हूं इसे इस पर आना है। परंतु जब वह समय आता है, तो मैं—मैं डरपोक नहीं होना चाहता। तो मैं भी उन बाकियों के समान खड़ा होना चाहता हूं जैसे वे खड़े हुए थे। परन्तु, परमेश्वर, यदि—यदि—यदि मुझे अपनी गवाही अपने जीवन से मोहर बंद करनी पड़े, या यह जो भी करना हो, प्रभु, तो फिर इसे मुकुट पहनाये। ना ही मुझे मुकुट पहनाये; सेवकाई को मुकुट पहनाये जो कि प्रभु मैंने प्रचार किया है, यह आपके वचन है। और मैं जानता हूं कि वचन मुझे पुनरुत्थान पर उठाने के लिए योग्य से अधिक है। और जो वचन मैंने प्रचारा है मैं उससे लज्जित नहीं हूं, क्योंकि यह परमेश्वर की सामर्थ है उद्धार के लिए जितने विश्वास करेगे।

130 मैं छोटी कलीसिया जो आज भी खड़ी है उसके लिए आपका धन्यवादित हूं। जब मैंने वचन का पक्ष लिया, तो भविष्यवक्ता ने भविष्यवाणी की, और कहा कि, "छह महीने के अन्दर यह मोटर खड़ी करने के स्थान में बदल जाएगा।" तीस वर्ष बीत चुके हैं, आज यह पहले बीते वर्षों से अधिक आग से प्रज्वलित है। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।" हम अपने पास्टर के लिए आपके धन्यवादित हैं। और हम डिकन, और ट्रस्टियो के लिए आपके धन्यवादित हैं। हम सब के पास करने के लिए छोटा भाग है, प्रभु, और हम इसे ईमानदारी से करना चाहते हैं, हम उसे ठीक से करना चाहते हैं।

131 प्रभु, आज रात्री हो सकता है कि कुछ लोग हमारे साथ जुड़ना चाहते हो। और जिस प्रकार वे इससे जुड़ते हैं, कि इस छोटी जीवन की रेखा को पकड़ ले और इसे खींचे, अपनी कलाई के चारों ओर लपेट ले, इसे अपने ह्रदय के चारों ओर बांध ले, और कहे, "अब, प्रभु, खींच, मुझे उठा," और वे सामने आयेंगे और सोने के समान चमकेंगे। प्रभु, इसे प्रदान करें। हम उस समय की राह देख रहे हैं।

132 हम विश्वास करते हैं यह अंत के समीप है। हम यह देखते हैं जैसा कि हम यहां सिखा रहे हैं, कि अब लौदिकिया कलीसिया काल चल रहा है, हम देखते हैं कि सिवाये प्रभु के आगमन को छोड़ और कुछ घटित नहीं हो सकता। और, प्रभु, क्या वचन के लिए यह महान मुकुट नहीं होगा, कि मुकुट को स्वयं आते हुए देखे? मैं यहां खड़े रहना पसन्द करूंगा और कहूं, "वह ये रहा, यही मेम्ना है।" जैसे यूहन्ना ने किया। "देखो वह मेम्ना जिसकी हमने प्रतीक्षा की, यह रहा वह।" प्रभु जल्द ही अपने मंदिर में

आएगा, अपने मन्दिर में आएगा अपने लोगों को रैपचर में ले जायेगा।

133 पिता, हमें तैयार करें। हमारे ह्रदयो को अपने लहू में धोये। हमें शुद्ध और स्वच्छ बनाएं, ताकी आपका वचन हम में वास कर सके। और हम स्मरण रख सके कि हमें वचन का अनुकरण करना ही है, ताकि हम इसे पकड़ सके और प्रभावित हो। हर पापी के प्राश्चित को स्वीकार करें। प्रत्येक को जो यहां है आशीषित करे। वे संत, वे, जो पुराने बहुमूल्य योद्धा है, प्रभु, जो कि अपने कर्तव्य पर वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, उपहास बने, चर्चा का विषय बने और विचित्र ठहरे। वे अब भी इसमें चल रहे हैं क्योंकि उनके पास जीवन है। वे जानते हैं उन्होंने किस पर विश्वास किया है, और समझा है वह उन्हें थामे रखने के योग्य है जिन्होंने स्वयं को उसे समर्पित किया है। इसके लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। प्रार्थना करते है कि जो रोगी हमारे मध्य में है उन्हें आप चंगा करेंगे। हमारे सारे पाप और बीमारियां दूर करें। और, पिता परमेश्वर, स्वयं के लिए महिमा ले।

134 प्रभु, मेरे बहुत से बहुमूल्य मित्र है। मैं—मैं उन से प्रेम करता हूं, और मैं दूसरे मनुष्यों को भी युगो से जानता हूं। बहुमूल्य मित्रो, प्रिय मित्रो, युवा और बूढ़े, और हम उन्हें अपने पूरे ह्रदय से प्रेम करते हैं। अब प्रभु हमें सच्चा बना दे, वचन के प्रति सच्चा, ताकि हम उनसे और अच्छे देश में किसी दिन मिल सके, जहां उदासी और दुःख कभी ना होगे। हम जल्द ही प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम विश्वास करते हैं कि वह आयेगा।

135 अब आज रात्री यहां अविश्वासियो को आशीषित करें, प्रभु, और होने पाए वह विश्वासी होकर और आज रात्री आपको अपना एक बचाने वाले के समान स्वीकार करे।

136 और जबकि हम अपने सिरो को झुकाये हुए है, यदि यहां अपने झुके हुए सिर के साथ होगा, जो कहेगा, "भाई ब्रन्हम, मेरे ह्रदय की गहराई में, मैं—मैं अपने मार्ग के अंत में एक अच्छी लड़ाई लड़ते हुए आना चाहता हूं। मैं एक मसीही होना चाहता हूं। मैं अपना हाथ उठाने जा रहा हूँ।" परमेश्वर आपको आशीष दे, और परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छा है। परमेश्वर आपको आशीष दे, आपको। "मैं अपने मार्ग के अंत में अपने पीछे की ओर एक अच्छी लड़ाई के साथ आना चाहता हूं। मैं इसी समय मसीह को स्वीकार करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि वह मेरा सहायक हो।" ठीक है, प्रभु आपको आशीष दे। वहां पीछे महिला, परमेश्वर आपको

आशीष दे। यह अच्छा है। वह—वह आपको जानता है। इन वर्षों में मैंने उसके विषय में बहुत सीखा है, प्रचार मंच के पीछे या पुलपीट में लगभग बत्तीस वर्ष हो गए है, मैंने उसके विषय में बहुत सिखा है कि वह आपकी हर चाल को जानता है। वह गौरैया को देखता है। तुम्हारे सिर के बाल गिने हुए हैं। देखिए, वह इस सब के विषय में जानता है। आप बस अपना हाथ उठाये, और इस अर्थ के साथ कि, आपको केवल इतना ही करना है। और यहां जल तैयार है।

137 स्मरण रखिए, कि आप क्या करते हैं? आप प्रायश्चित करते है, सुसमाचार पर विश्वास करते है, और फिर बपतिस्मा लेते है (किस लिए?) क्योंकि... यीशु मसीह के नाम में, अपने पापों की क्षमा के लिए। यह आपकी गवाही है, कि आप है। जब आपने बपतिस्मा लिया आपके पाप चले गए; आपने उनको मान लिया, और आप विश्वास करते हैं। क्या आप उस जीवन रेखा को अब नहीं पकड़ेंगे, जैसे कि यह आपके ह्रदय के आर–पार खींची जाती है, और कह रहा है, "यात्री, इस ओर से आओ। मेरे साथ यात्रा करो, मेरा क्रूस अपने पर ले लो। मुझ से सीखो, मैं नम्र और मन में दीन हूं, और मेरा बोझ हल्का है।" बस बढकर और इसे पकड लो।

138 आज रात्री कितने मसीही यहां मार्ग में है, जो इस बात से आनन्दित है कि आपने बहुत समय पहले आरंभ कर लिया था? अपनी यात्रा को आरंभ कर लिया था, और मार्ग में चलते–चलते, और अब अन्त की ओर आ रहे है। मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपकी सेवकाई को मुकुट पहनायेगा, यह चाहे जो भी है। यह एक गृहणी हो सकती है। मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपकी सेवकाई को ताज देगा। यह एक प्रचारक हो सकता है। यह एक डिकन हो सकता है। यह एक युवा सदस्य हो सकता है। यह एक किसान हो सकता है। मैं नहीं जानता कि यह क्या है। यह जो भी हो, होने पाए परमेश्वर आपके जीवन को अपने वचन की महिमा से मुकुट पहनाये, और उसके दूसरे आगमन में आपको उठा ले और आपको दूसरे देश में ले जाये जहां आप एक छोटी मछली के समान अनुभव करें, जिसके विषय में मैंने बात की, वहां नीचे के अंधकार से बाहर। देखिए, आप वहां इस प्रकार की देह में ऊपर नहीं जा सकते। ना ही आप इन अंतरिक्ष यात्रियों के समान जा सकते हैं, देखिए, आपको एक दाब वाले तालाब में होना है। आप उसके लिए दबाव नहीं है। परन्तु जब परमेश्वर आपको बदलता है, तब आप दाब युक्त हो जाते है, तब आप रेपचर में जाते हैं। जब यह पृथ्वी

की पुरानी इन्द्रियां समाप्त हो जाती है, और आप क्रूस की महिमा वाली राह पर चले जाते है, यीशु के साथ घर जा रहे हैं।

139 अब, परमेश्वर पिता, हम आपका इन हाथों के लिए जो मसीही होने के लिए उठे है धन्यवाद करते हैं। मैं विश्वास करता हूं कि इनके ह्रदयो में इसका कोई अर्थ है। मैं प्रार्थना करता हूं, कि यह कभी असफल नही होंगे। और यदि ये असफल हो जाये, तो होने पाए तुरन्त यह उस वकील को अपने साथ कर ले, पिता। जो कि मैंने भी पिता ऐसी महान चीज को सीखा है, कि जब मैं अपनी सारी गलतियां करता हूं, तब मैं पाता हूं कि मेरा एक वकील है, जो तुरन्त, जो पिता के साथ है, यीशु मसीह में होते हुए। और मैं वापस अनुग्रह में लाया गया। प्रभु का प्रेम भरा हाथ मिटा देता है, वहां लहूलुहान बलिदान रखा है जिसे मैं अपना बचाने वाला स्वीकार करता हूं।

140 सारे बीमार और आवश्यकता वाले, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनकी आवश्यकताओं को पूरा करेंगे और प्रभु, सारी बीमारियो को चंगा करेंगे। और वे जो यहां इस समय पवित्र आत्मा के महिमा–युक्त अभिषेक में बैठे हुए हैं, जैसा कि हम अपने प्राणों पर उंडेले जाने से सुखद अनुभव करते हैं।

141 पिता परमेश्वर, आप जानते हैं उस दिन कनाडा से आते हुए मैं क्या सोच रहा था। मैंने सोचा, "ओह, मैं पुराने रीति की बेदारी को फिर से कितना पसंद करता हूं, देखिए परमेश्वर के संतो, एक गीत गाना, और परमेश्वर की सामर्थ, एक उंडेला जाना।" ओह, मेरा ह्रदय इसे कितना चाहता है, प्रभु। होने पाए कि यहां इस आराधनालय में ऐसी बेदारी हो, ओह, कि परमेश्वर की सामर्थ अनुग्रह की धारा में नीचे आयेगी—आयेगी, और प्रत्येक ह्रदय में जाएगी।

142 प्रभु, मैं इस छोटे स्थान के लिए धन्यवाद देता हूं। हम इसे इस प्रकार से रखने योग्य नहीं थे, यह आपका अनुग्रह रहा जिसने इसकी आत्मिकता को बनाए रखा। और अब प्रभु मैं विश्वास करता हूं, कि सबसे अधिक आत्मिक स्थान, इस राष्ट्र में जो मैं जानता हूं, ठीक यहां आठवे और पेन स्ट्रीट पर है। प्रभु मैं इसके लिए कितना धन्यवादित हूं! उन कलीसियाओ में जाकर और ठंडे और भिन्नता को देखता हूं, और वे स्त्रियां इतनी निर्भीक की वे लज्जित नहीं हो सकती, और ना ही "आमीन" या आंसू उनके गालो पर होते है, या कुछ भी नहीं, और कोई उद्धार नहीं, कुछ नहीं, केवल कलीसिया के सदस्य और अपने धार्मिक मत को दोहराते हैं। ओह परमेश्वर, तब इस सुंदर छोटे

गर्म स्थान में, जहां हृदय की हर वेदी पर आग जलती है। कितना सुखद है, यह पिता! क्या ही आरामदायक! धन्यवाद, पिता, और होने पाए कि यह प्रभु यीशु के आने तक सदा बना रहे। अब एक साथ हमे आशीषित करें।

143 और कल का सब्त। और, प्रभु, प्रात: मेरी सहायता करें, यदि मेरे भाग में *उल्टी गिनती* प्रचार करना है। परमेश्वर, मैं इसे इस प्रकार से लाने योग्य होऊं, जब तक प्रभु लोग इसे ना देख ले। और अब होने पाए कि वे सेवकाई की स्थिति को देखें, और यह कहां पर है, और हम किसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, और क्यों हर चीज अपने मार्ग पर चल रही है जिस तरह से यह है। होने पाए वे 5वे पद से आगे पढ़े, और जिस स्थान पर हम खड़े हैं उसका अनुभव करे।

144 और अब, पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमें आशीषित करेंगे और हमे हमारे शरीर में अच्छा विश्राम देंगे, और हमे कल वापस लाये। इन सब को आशीष देना जो दीवारों के सहारे खड़े हैं, और पैरो को बदल रहे हैं। महिलाएं, पुरुष, वहां बाहर वर्षा में खड़े हुए हैं, और वहां खिड़कियों के साथ–साथ, और अपनी कारों में बैठे है, और ऊपर और नीचे। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन्हें आशीषित करेगे, प्रभु। ये लोग अपने घर, परमेश्वर के अनुग्रह को अपने हृदय में ले कर जाए। मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूं। आमीन।

145 क्या अब आप समझते हैं? दूसरा तीमुथियुस 2:4, दूसरा तीमुथियुस 4, 5वें पद से आगे पढ़े, इसके पहले आज रात सोने के लिए जाये, यदि आप पढ़ सकते हैं, और आप देखेंगे कि हम कहाँ पर हैं। क्यों उन लोगों ने उसे छोड़ दिया? वे क्यों नहीं आए? और अब और इस सेवकाई को जिस में आज हम है उससे तुलना करें। संत पौलुस की शिक्षा से तुलना करें। स्मरण रखे उस स्वर्गीय चीज में जो मैंने देखा, मैंने कहा, "अच्छा, पौलुस को अपने लोगों के साथ खड़ा होना होगा? "

उन्होंने कहा, "हां।"

146 मैंने कहा, "मैंने वही वचन प्रचार किया है जो उसने प्रचार किया, ठीक उसी सुसमाचार के साथ बना रहा।"

147 और लाखों ने अपने हाथ उठाये और कहा, "हम उसी पर विश्राम कर रहे हैं।"

148 प्रभु आपको आशीष दे। क्या आप उसको प्रेम करते हैं?

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम मिले!
जब तक हम मिले!

62–0908 मेरी सेवकाई का वर्तमान कार्यक्षेत्र
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org